प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-177 | सांध्य दैनिक | मथुरा, शनिवार, 22 अगस्त 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

जिले के 8091 पेंशनधारक वृद्धों का डाटा मिला संदेहास्पद

यहां तो दो हेक्टेयर से अधिक भूमि वाले ले रहे भरण-पोषण पेंशन

शासन के निर्देश पर समाज कल्याण विभाग कराएगा सत्यापन

यूनिक समय, मथुरा। समाज कल्याण विभाग की वृद्धावस्था पेंशन योजना में 8091 लाभार्थियों का डाटा संदेहास्पद मिलने से विभाग में खलबली मच गई है। आर्थिक रूप से कमजोर और गरीबी रेखा के नीचे जीवनयापन करने वाले बुजुर्गों के लिए संचालित इस योजना का लाभ ऐसे लोग भी लेते पाए गए हैं, जिनके नाम राजस्व अभिलेखों में दो हेक्टेयर या इससे अधिक भूमि दर्ज है। शासन के निर्देश पर अब इन सभी लाभार्थियों का सत्यापन कराया जा रहा है। सामाजिक सहायता कार्यक्रम के तहत 60 वर्ष या इससे अधिक आयु के पात्र बुजुर्गों को भरण-पोषण के लिए प्रतिमाह एक हजार रुपये वृद्धावस्था पेंशन दी जाती है। जिले में बीते वित्तीय वर्ष तक 68,704 बुजुर्ग इस योजना का लाभ ले रहे थे। जांच के दौरान इनमें से 8091 लाभार्थियों के नाम दो हेक्टेयर से अधिक भूमि दर्ज मिली। इनमें ग्रामीण क्षेत्र के 7215 और नगरीय क्षेत्र के 876 पेंशनधारक शामिल हैं।

राया में सबसे ज्यादा संदिग्ध पेंशनधारक

चिन्हित किए गए लाभार्थियों में राया विकासखंड सबसे आगे है, यहां 1014 पेंशनधारकों के नाम दो हेक्टेयर या इससे अधिक भूमि दर्ज मिली है। इसके बाद छाता में 925, बलदेव में 877, शहर में 876, चौमुंहा में 776, नौहझील में 636, मांट में 657, फरह में 652, मथुरा में 611, गोवर्धन में 604 और नंदगांव में 463 लाभार्थी चिन्हित किए गए हैं। विभागीय स्तर पर सत्यापन के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि इनमें कितने वास्तव में अपात्र हैं।

चयन और सत्यापन व्यवस्था पर उठे सवाल

वृद्धावस्था पेंशन के लिए आनलाइन आवेदन लिए जाते हैं। ग्राम पंचायत से प्रस्ताव आने के बाद संबंधित स्तर पर सत्यापन किया जाता है, पात्र पाए जाने पर पेंशन स्वीकृत होती है। ऐसे में दो हेक्टेयर से अधिक भूमि वाले लोगों के पेंशन पाने से चयन और सत्यापन प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हैं। सवाल यह भी है कि आवेदन स्वीकृति के समय राजस्व अभिलेखों की जांच क्यों नहीं हुई। योजना की जांच में 1100 से अधिक ऐसे लाभार्थी भी पाए जा चुके हैं, जिनकी मृत्यु हो चुकी है। इसके बाद अब भूमि संबंधी संदिग्ध आंकड़ों ने विभाग की कार्यप्रणाली पर फिर सवाल खड़े कर दिए हैं। यदि सत्यापन में बड़ी संख्या में लाभार्थी अपात्र मिलते हैं तो सरकारी धन के दुरुपयोग की तस्वीर और स्पष्ट हो सकती है।

कराया जा रहा है सत्यापन

जिला समाज कल्याण अधिकारी रेनू ने बताया कि दो हेक्टेयर और इससे अधिक भूमि वाले चिन्हित पेंशनधारकों का सत्यापन बीडीओ और एसडीएम के माध्यम से कराया जा रहा है। सत्यापन रिपोर्ट मिलने के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट होगी और पात्रता के अनुरूप आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ड्यूटी जाते सफाई कर्मी की सड़क हादसे में मौत, हंगामा

भरतपुरगेट पुलिस चौकी पर वाल्मीकि समाज के लोगों से वार्ता करते अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह, सीओ सिटी आशना चौधरी।

तेज रफ्तार वाहन ने स्कूटी में मारी टक्कर, मौके पर तोड़ा दम

मोरचरी पर जुटे नगर निगम कर्मचारी, हंगामे की आशंका में पुलिस तैनात

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र में शनिवार सुबह ड्यूटी पर जा रहे नगर निगम के सफाई कर्मचारी की सड़क हादसे में मौत हो गई। जयगुरुदेव पेट्रोल पंप के समीप तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसकी स्कूटी में टक्कर मार दी। हादसे के बाद मौके पर भीड़ जुट गई। कर्मचारी की मौत की खबर मिलते ही नगर निगम के बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारी मोरचरी पहुंच गए। स्थिति को देखते हुए पुलिस बल भी तैनात किया गया।

फाइल फोटो मृतक ओमप्रकाश

संजय नगर, चुड़ियाना मोहल्ला, भरतपुर गेट निवासी ओमप्रकाश पुत्र रामप्रसाद नगर निगम में सफाई कर्मचारी था।

शनिवार सुबह वह स्कूटी से वार्ड संख्या 15 में ड्यूटी करने जा रहा था। बताया गया कि जयगुरुदेव पेट्रोल पंप के समीप पीछे से आए तेज रफ्तार वाहन ने उसकी स्कूटी में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने के बाद ओमप्रकाश गंभीर घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। हादसा इतना भीषण था कि उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया।

दुर्घटना के बाद आसपास के लोग मौके पर एकत्रित हो गए। घटनास्थल के पास चाय की दुकान करने वाले व्यक्ति को ओमप्रकाश के पास मोबाइल फोन मिला। फोन के माध्यम से उसने परिजनों को हादसे की सूचना दी। कुछ ही देर में परिवार के लोग मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया।

इधर, नगर निगम के कर्मचारी को हादसे में मौत की जानकारी मिलते ही साथी सफाई कर्मचारियों में आक्रोश फैल गया। बड़ी संख्या में कर्मचारी मोरचरी पहुंच गए।

भीड़ और संभावित हंगामे को देखते हुए पुलिस ने मोरचरी पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। इसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मचा रहा।

अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह ने बताया कि मृतक सफाई कर्मी के परिवार को नगर निगम के द्वारा एक लाख पचास हजार रुपये की आर्थिक सहायता देने और एक परिजन को डूडा में नौकरी, एक आवास देने की बात हुई है।

बरेली सिटी–मथुरा छावनी रेलखंड का महाप्रबंधक ने किया विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण

मथुरा छावनी रेलखंड पर विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक।

यूनिक समय, मथुरा। पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक एवं अनुसंधान अभिकल्प- मानक संगठन लखनऊ के महानिदेशक प्रभाष दनसाना ने मंडल रेल प्रबंधक, इज्जतनगर वीणा सिंहा और मंडल के अधिकारियों के साथ बरेली सिटी–मथुरा छावनी रेलखंड का विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न स्टेशनों, स्टेशन भवनों, रेल यार्ड, रेल पथ, ओवरहेड विद्युत उपकरण (ओएचई), पुलों और समपार फाटकों का जायजा लिया।

महाप्रबंधक ने अधिकारियों को यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने रेल पथ और अन्य रेल परिसंपत्तियों के नियमित अनुरक्षण, संरचनाओं की गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने को कहा।

रक्षाबंधन पर मथुरा-निजामुद्दीन के बीच चलेगी स्पेशल ट्रेन

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन पर यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे मथुरा और निजामुद्दीन के बीच 27 और 28 अगस्त को अनारक्षित स्पेशल ट्रेन चलाएगा। ट्रेन दोनों दिन दोनों दिशाओं में चलेगी। ट्रेन संख्या 04410 निजामुद्दीन –मथुरा स्पेशल सुबह 10 बजे निजामुद्दीन से चलेगी और दोपहर 12:45 बजे मथुरा जंक्शन पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 04409 मथुरा– निजामुद्दीन स्पेशल दोपहर एक बजे मथुरा से चलेगी और शाम 4:50 बजे निजामुद्दीन पहुंचेगी। ट्रेन में 16 कोच होंगे। ट्रेन ओखला, तुगलकाबाद, फरीदाबाद, फरीदाबाद न्यू टाउन, बल्लभगढ़, असावटी, पलवल, रूंधी, शोलाका, बंचारी, होडल, कोसीकलां, छाता, अजई, वृंदावन रोड और भूतेश्वर पर रूकेगी। वापसी में भी ट्रेन इन्हीं स्टेशनों पर रुकेगी। इससे रक्षाबंधन पर मथुरा और दिल्ली के बीच आने–जाने वाले यात्रियों को सुविधा मिलेगी।

राशन में कटौती के आरोपों से शेरगढ़ में मचा हड़कंप

कार्डधारकों ने निर्धारित मात्रा से कम राशन देने का लगाया आरोप

पिछले माह अभद्रता और मारपीट की घटनाओं का भी किया दावा

यूनिक समय, शेरगढ़। ग्राम पंचायत शेरगढ़ में शाहिना के नाम से संचालित राशन की दुकान पर खाद्यान्न वितरण में कथित कटौती को लेकर कार्डधारकों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। लाभार्थियों का कहना है कि तय मात्रा के बजाय प्रत्येक यूनिट पर करीब एक किलो तक राशन कम दिया जा रहा है। मामले को लेकर कार्डधारकों में नाराजगी है।

राशन लेने पहुंचे लोगों ने आरोप लगाया कि पांच किलो प्रति यूनिट के स्थान पर करीब चार किलो राशन ही दिया जाता है। उनका कहना है कि गरीब परिवारों के लिए सरकारी राशन महत्वपूर्ण सहारा है। ऐसे में कटौती होने से परिवारों के सामने परेशानी खड़ी हो जाती है। कार्डधारकों ने राशन डीलर के पति जमील पर वितरण में कटौती का आरोप लगाया है। लाभार्थियों ने पिछले महीने भी विवाद होने का दावा किया। आरोप है कि कम राशन का विरोध करने पर नाबालिग सोहिल के साथ मारपीट और अभद्रता की गई। बुजुर्ग हाजरा को धक्का देने से चोट लगने, आजाद नामक युवक के साथ भी मारपीट की बात कही गई है।

कार्डधारकों के मुताबिक, दुकान पर आए दिन विवाद की स्थिति बनती है। उन्होंने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने, इलेक्ट्रॉनिक कांटे और वितरण रजिस्टर की जांच करने पात्र लाभार्थियों को निर्धारित मात्रा में राशन दिलाने की मांग की है। अब विभागीय जांच के बाद ही आरोपों की वास्तविक स्थिति स्पष्ट होगी।

महिला अस्पताल में पानी की बर्बादी से खुली व्यवस्थाओं की पोल

जिला महिला अस्पताल के एसएनसीयू के बरामदे की टाइल्स टूटी हुई। टंकी से लगातार बहता पानी, पाइपों में रिसाव से जलभराव।

यूनिक समय, मथुरा। सरकार की ओर से जल संरक्षण, स्वच्छता और बीमारियों से बचाव के लिए लगातार जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं, लेकिन जिला महिला चिकित्सालय की व्यवस्थाएं इन अभियानों की हकीकत पर सवाल खड़े कर रही हैं। अस्पताल परिसर में पानी की बर्बादी, पाइपों से रिसाव, जलभराव और टूटी टाइल्स जैसी समस्याएं मरीजों और तीमारदारों के लिए परेशानी का कारण बनी हुई हैं।

शनिवार को यूनिक समय टीम ने अस्पताल का जायजा लिया तो महिला वार्ड में लगी पानी की टंकी से लगातार पानी बहता मिला।

टंकी भरने के बाद भी पानी का बहाव बंद नहीं हुआ और ओवरफ्लो होकर नीचे गिरता रहा। इसी तरह महिला अल्ट्रासाउंड कक्ष के समीप पाइपों से पानी रिसता दिखाई दिया। आसपास कई स्थानों पर पानी जमा था। स्वास्थ्य विभाग लोगों को घरों और आसपास पानी जमा नहीं होने देने की सलाह देता है। विभाग के अनुसार, ठहरे पानी में मच्छरों के पनपने से विभिन्न बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में अस्पताल परिसर में ही जलभराव की स्थिति सामने आना जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है।

एसएनसीयू के बाहर पांच दिन से पंखा बंद टूटी टाइल्स बनीं खतरा

अस्पताल के एसएनसीयू वार्ड के बाहर बरामदे में अव्यवस्थाओं की एक और तस्वीर सामने आई। यहां लगा छत का पंखा करीब पांच दिन से बंद बताया गया। बच्चों के साथ अस्पताल में मौजूद तीमारदारों को गर्मी में परेशानी उठानी पड़ रही है। तीमारदार रोहताश सिंह ने बताया कि पांच दिन से पंखा बंद है और गर्मी के कारण बरामदे में बैठना मुश्किल हो रहा है।

वहीं, बरामदे के फर्श की एक टाइल्स भी पूरी तरह टूटी मिली। लोगों के मुताबिक, टूटी टाइल्स के कारण आने–जाने वालों के ठोकर लगने का खतरा बना रहता है।

मरीजों और तीमारदारों ने अस्पताल प्रशासन से पानी की बर्बादी रोकने, रिसाव ठीक कराने, पंखा चालू कराने और टूटी टाइल्स की मरम्मत कराने की मांग की है।

कृष्णा नगर के एक स्कूल में सहपाठियों को राखी बांधती बालिकाएं।

कोटवन में बेहोश मिले सात चरवाहों के लिए फरिश्ता बनी पुलिस, बचाई जान

यूनिक समय, कोसीकलां। भेड़–बकरियां चराते समय हरियाणा से उत्तर प्रदेश की सीमा में आए सात चरवाहे शुक्रवार को कोटवन में शिवा ढाबा के पास बेहोशी की हालत में पड़े मिले। ऐसे में कोसीकलां पुलिस ने मानवता और कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल पेश करते हुए तत्परता दिखाकर सातों की जान बचा ली। पुलिस की इस कार्यशैली की पूरे क्षेत्र में जमकर प्रशंसा हो रही है। जानकारी के अनुसार, राजस्थान के जालौर जिले के आहोरी क्षेत्र के निवासी कुइयाराम, राजाराम, जोगनी, पैमाराम, महराजी, लागूराम और खंगार अपनी भेड़–बकरियों के साथ हरियाणा से कोटवन सीमा में प्रवेश कर गए थे। इसी दौरान वे अचानक बेहोश होकर सड़क किनारे गिर पड़े। अगर समय रहते मदद न मिलती तो गर्मी और सुनसान जगह के चलते कोई भी अनहोनी हो सकती थी। सूचना मिलते ही कोटवन चौकी इंचार्ज उत्तम चौहान ने लापरवाही बरतने के बजाय मानवता का परिचय दिया और मय फोर्स के साथ देवदूत बनकर मौके पर पहुंच गए। उन्होंने सभी बेहोश चरवाहों को तत्काल अपने निजी प्रयास से किशन सिंह अस्पताल में भर्ती कराया और उपचार शुरू कराया, जिससे सभी की जान बच सकी। मौके पर जहरखुरानी कर भेड़–बकरियां ले जाने की भी चर्चा रही, हालांकि पुलिस ने इससे इन्कार किया है।

थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश कुमार ने बताया कि करीब 16 चरवाहे एक साथ थे, जिनमें से सात ने नशीले पदार्थ का सेवन कर लिया था, अधिक नशा होने से वे बेहोश हो गए। कोई भेड़–बकरी चोरी नहीं हुई है। सभी का उपचार कराकर उन्हें सकुशल घर भेज दिया गया है।

हरियाली तीज महोत्सव में महिलाओं ने जीवंत की पुरानी परंपराएं

हरियाली तीज महोत्सव का शुभारंभ करते हुए अतिथि।

यूनिक समय, मथुरा। भगवान परशुराम शोभायात्रा समिति रजि. के महिला प्रकोष्ठ के द्वारा एक स्थानीय होटल में हरियाली तीज महोत्सव पर भजन, नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रम किए गए। कार्यक्रम का आयोजन जिला अध्यक्ष रश्मि चतुर्वेदी, महानगर अध्यक्ष गुंजन के नेतृत्व में हुआ। शुभारंभ समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष राम गोपाल शर्मा, बंसीलाल शर्मा, चारू शर्मा, विनोद दीक्षित, गौरव कांत शर्मा, भाजपा की पूर्व जिला अध्यक्ष मधु शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर और भगवान परशुराम के चित्र पर पुष्पमाला अर्पित कर किया। कार्यक्रम में ज्योति चतुर्वेदी, पिंकी द्विवेदी, पूनम गौड़, कंचन चतुर्वेदी, रविता चतुर्वेदी, मंजू गौतम, महिमा बंसल, रीता चौधरी, नीतू शर्मा, ममता शर्मा, पिंकी शर्मा, डोली शर्मा, प्रतिभा उपाध्याय, आरती शर्मा, आभा शर्मा और भावना शर्मा सहित महिलाएं मौजूद रहीं।

डीआईजी ने वृंदावन में की तीन जिलों की समीक्षा

थाना पर्यटक भवन में मथुरा, फिरोजाबाद और मैनपुरी के एसएसपी के साथ बैठक करते डीआईजी शैलेष कुमार पांडेय।

यूनिक समय, वृंदावन। डीआईजी शैलेष कुमार पांडेय ने पर्यटक थाना में मथुरा, फिरोजाबाद और मैनपुरी जनपदों के एसएसपी के साथ अपराध और कानून व्यवस्था को लेकर बैठक की। उन्होंने तीन जिलों के एसएसपी के साथ सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने पर चर्चा की। डीआईजी ने तीनों जिलों की अपराध और कानून व्यवस्था की समीक्षा की। आने वाले त्यौहारों को लेकर डीआईजी ने सभी एसएसपी को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए।

सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने पर चर्चा

सात माह में 9,851 टीबी मरीज मिले

यूनिक समय, मथुरा। टीबी के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग की मुहिम लगातार आगे बढ़ रही है। जिले में जनवरी से जुलाई 2026 तक 9,851 क्षय रोगियों की पहचान हुई है। इनमें जिले में रहने वाले 3,940 मरीज हैं। राहत की बात यह है कि वर्ष 2025 से उपचार करा रहे मरीजों में करीब 88 प्रतिशत मरीज अब टीबी को मात देकर स्वस्थ होने की ओर बढ़ रहे हैं। विभाग के साथ निक्षय मित्रों, सामाजिक संस्थाओं और स्वयंसेवी संगठनों की मदद से मरीजों को उपचार के साथ पोषण की पोटली दी गई है।

जिला क्षयरोग अधिकारी संजीव यादव ने बताया कि जनवरी से जुलाई तक जिले में कुल 9,851 टीबी मरीज सामने आए हैं। इनमें 3,940 मरीज मथुरा के रहने वाले हैं। इन मरीजों का विभाग की निगरानी में उपचार चल रहा है। मरीजों को समय पर दवा लेने और

जिले में रहने वाले 3,940 मरीजों का चल रहा इलाज

निक्षय मित्रों और संस्थाओं ने बांटी मरीजों को 3,243 पोषण पोटली

उपचार का पूरा कोर्स करने के लिए लगातार जागरूक किया जाता है। उन्होंने बताया कि टीबी मरीजों के लिए पोषण भी बेहद महत्वपूर्ण है।

इसी को देखते हुए निक्षय मित्रों, सामाजिक संस्थाओं और स्वयंसेवी संगठनों के सहयोग से मरीजों को पोषण पोटली उपलब्ध कराई जाती हैं। अब तक 3,243 पोषण पोटली वितरित की जा चुकी हैं। टीबी मरीजों की सहायता में मुंडोना रूरल डेवलपमेंट फाउंडेशन, अक्षय पात्र, रेडक्रॉस और अंजना फाउंडेशन समेत कई स्वयंसेवी संगठन सहयोग कर रहे हैं।

इन संस्थाओं और निक्षय मित्रों की ओर से मरीजों को पोषण पोटली उपलब्ध कराई जा रही है।

जिला क्षयरोग अधिकारी ने बताया कि वर्ष 2025 से जिन टीबी मरीजों का इलाज चल रहा था, उनका उपचार का कोर्स अब पूरा होने की ओर है। इनमें करीब 88 प्रतिशत मरीज उपचार के बाद स्वस्थ होने की स्थिति में पहुंच गए हैं।

यह टीबी उन्मूलन अभियान के लिए सकारात्मक संकेत है। उन्होंने कहा कि टीबी का इलाज पूरी तरह संभव है, लेकिन इसके लिए मरीजों को नियमित रूप से दवा लेनी जरूरी है। उपचार बीच में छोड़ने से बीमारी दोबारा गंभीर रूप ले सकती है।

ओमेक्स की निर्माणाधीन वृंदावन कोर्टयार्ड माल में हादसा

मजदूर दहशतजदां,परिसर में सन्नाटा

यूनिक समय, वृंदावन। रुक्मणि विहार कालोनी में गोल चक्कर के पास ओमेक्स की निर्माणाधीन वृंदावन कोर्टयार्ड माल में चौथी मंजिल से शटरिंग गिरने से तीन मजदूरों की मौत और एक मजदूर के घायल होने के बाद शनिवार को सन्नाटा पसरा दिखा। मजदूरों ने काम नहीं किया। सुरक्षा के लिहाज से गेट पर सिक्योरिटी गार्ड की तैनात कर दिए। उन्होंने बाहर से अंदर प्रवेश करने वालों पर पैनी नजर रखी। खासकर मीडियाकर्मियों को अंदर जाने नहीं दिया।

कल के हादसे को लेकर मजदूर और उनके परिवार के सदस्य दहशतजदां देखे गए। हर किसी के चेहरे पर खौफ सा था। मजदूरों के मन से एक ही बात नहीं निकल रही थी कि विधाता ने यह क्या किया।

वह पश्चिम बंगाल और नेपाल से काम करने के लिए यहां आए थे, लेकिन क्या पता था कि अब कभी अपने घर लौटेंगे तो परिवार के अन्य

मीडिया कर्मियों के प्रवेश करने पर नो एंट्री

गेट पर सिक्योरिटी गार्ड तैनात, पैनी नजर

लोगों को क्या जवाब देंगे। छोटे–छोटे बच्चे बड़े होंगे तो वह अपने पिता के बारे में प्रश्न करेंगे तो हादसा हिला देगा।

हैरानी की बात तो यह थी कि हादसा स्थल पर शटरिंग के दौरान मानकों के हिसाब से सुरक्षा प्रबंधों की ओर किसी का ध्यान नहीं दिया। लंबे चौड़े दावे करने वाले कई विभागों के अधिकारियों की आंखें अब खुलती दिखाई दे रही हैं। अब सब अंगुली उठा रहे हैं कि मानकों के हिसाब से काम शुरु नहीं किया गया। देखने वाली बात तो यह है कि यहां तो हादसे की हकीकत उजागर हो गई किंतु रुक्मणि विहार कालोनी में कई और जगह काम चल रहे हैं। क्या वहां मानक के हिसाब काम चल रहा है या नहीं। मजदूरों को सुविधाएं मिल रही है या नहीं। या फिर एक और हादसे का इंतजार।

मानकों के हिसाब से सुरक्षा मिलने पर करेंगे काम

यूनिक समय, वृंदावन। ओमेक्स की निर्माणाधीन वृंदावन कोर्टयार्ड माल में कल हुए हादसे के बाद रात को मजदूरों ने ऐलान किया कि यदि काम करने के दौरान उनके मानकों के अनुसार सुरक्षा बंदोबस्त नहीं किए गए तो वह काम नहीं करेंगे और घरों को लौट जाएंगे। पश्चिम बंगाल के एक मजदूर ने बताया कि कल के हादसे में तीन मजदूर साथियों की मौत के बाद अब काम करने में डर सा लगने लगा है। ऐसा अहसास होता है कि मजदूर

बैठक में मजदूर बोले– काम करने में डर लग रहा

साथी ऊपर से किस तरह से गिर रहे हैं। ऐसी हालात में काम करना मुश्किल है। हालांकि प्रोजेक्ट के प्रबंध तंत्र से जुड़े अधिकारी मजदूरों को निरंतर दिलासा दे रहे हैं। हर संभव सुरक्षा का भरोसा दे रहे हैं। उधर, एक मृतक मजदूर की पत्नी की ओर से कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट के बाद पुलिस भी जांच पड़ताल में जुटी है।

11 हजार वोल्ट की लाइन का टूटा खंभा दे रहा हादसे को न्योता

शिकायतों के बाद भी बिजली विभाग ने नहीं लिया संज्ञान, ग्रामीणों में रोष

यूनिक समय, सुरीर। क्षेत्र के ओहावा नगला में बिजली विभाग की लापरवाही ग्रामीणों के लिए कभी भी जानलेवा साबित हो सकती है। ओहावा नगला से ओहावा जाने वाले लिंक मार्ग और बैकुंठपुर अड्डा मार्ग पर मंदिर के समीप 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन का खंभा बीच से टूटा हुआ है। खंभा टूटने के कारण विद्युत तारों का भार एक ओर झुका हुआ है। इससे राहगीरों, वाहन चालकों और स्कूली बसों के लिए गंभीर खतरा बना हुआ है।

ग्रामीणों का कहना है कि बरसात के मौसम में तेज हवा और आंधी के दौरान यह जर्जर खंभा कभी भी पूरी तरह गिर सकता है। इससे बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। मौके की स्थिति देखकर लगता है कि विद्युत खंभा किसी तरह टिका हुआ है। ग्रामीण सोनू निवासी टेटीगांव, देवा पहलवान निवासी बैकुंठपुर ने बताया कि हाल ही

ओहावा नगला से ओहावा जाने वाले लिंक मार्ग पर मंदिर के समीप टूटा बिजली का खंभा।

में 11 हजार वोल्ट की विद्युत लाइन का तार टूटने की घटना में विवेक और गोविंद सिंह की मौत हो चुकी है। इसके बावजूद विभाग ने इस गंभीर समस्या की ओर ध्यान नहीं दिया। ग्रामीणों के अनुसार खंभे को लेकर कई बार संबंधित अधिकारियों से शिकायत की जा चुकी है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। ग्रामीण सत्यवीर सिंह, भूपेंद्र सिंह, नरेंद्र सिंह, सुरेश सिंह, रवि आदि ने विद्युत विभाग से हादसा होने से पहले टूटे खंभे को बदलवाने और विद्युत लाइन को सुरक्षित कराने की मांग की है।

चार निरीक्षक और एक उपनिरीक्षक किए चेंज

यूनिक समय, मथुरा। एसएसपी ने थाना हाईवे और पर्यटन थाना प्रभारी निरीक्षकों सहित पांच निरीक्षक और उप निरीक्षकों के स्थानांतरण किए हैं। इसके साथ ही दो मुख्य आरक्षियों को केजेएस भेज दिया है।

एसएसपी श्लोक कुमार ने पुलिस लाइन में तैनात निरीक्षक अरविंद कुमार को थाना प्रभारी निरीक्षक थाना हाईवे, वहां तैनात प्रभारी निरीक्षक प्रशांत कपिल को प्रभारी निरीक्षक थाना पर्यटन, निरीक्षक प्रवीण कुमार को सिंह को पर्यटन थाने से प्रभारी लोक

हाईवे और पर्यटन थाने के प्रभारी बदले

शिकायत प्रकोष्ठ, प्रमोद कुमार को प्रभारी लोक शिकायत प्रकोष्ठ से अतिरिक्त निरीक्षक अपराध द्वितीय थाना कोतवाली, उप निरीक्षक राजकुमार सिंह को पुलिस लाइन से वरिष्ठ उप निरीक्षक थाना हाईवे। इसके साथ ही वृंदावन और हाईवे थाने के मुख्य आरक्षियों को केजेएस स्थानांतरित किया है।

आरक्षी सुनील कुमार के निलंबन की जांच की मांग

यूनिक समय, वृंदावन। कोतवाली में तैनात आरक्षी सुनील कुमार के निलंबन के मामले को लेकर वृंदावन सिविल सोसाइटी सहित अन्य सामाजिक संगठनों ने एसएसपी के नाम ज्ञापन कोतवाली प्रभारी को सौंपा। सामाजिक संगठनों का कहना था कि लगातार ड्यूटी करने वाले पुलिसकर्मियों के मनोबल को बनाए रखना भी जरूरी है। संगठनों ने आशंका जताई कि यदि यातायात व्यवस्था को नियंत्रित करने वाले पुलिसकर्मियों का मनोबल कमजोर हुआ तो अवैध बाइकर्स और यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के हौसले बुलंद हो सकते हैं, जिसका सीधा असर वृंदावन की यातायात व्यवस्था पर पड़ेगा।

अपनों को दें घर बैठे
भावपूर्ण श्रद्धांजलि
• शोक संदेश • पुण्यतिथि • उठावनी
साइज-8x10 मात्र-₹1000/-* (कलर)

अब डिजिटल अपनाओ
मोबाइल से घर बैठे बुक कराओ
कॉल करें-9837115157

कांग्रेसियों ने पुलिस पर लगाया दबाव में कार्रवाई का आरोप

यूनिक समय, मथुरा। कांग्रेस जिलाध्यक्ष के साथ हुई मारपीट मामले में पुलिस पर कांग्रेसियों द्वारा पक्षपात का आरोप लगाया जा रहा है। स्थानीय पुलिस द्वारा की जा रही कार्रवाई को लेकर जिलाध्यक्ष सहित कांग्रेसियों ने एसएसपी से मुलाकात कर निष्पक्ष कार्रवाई करने की मांग की है।

इस मामले में जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर ने बताया कि उनके और कई अन्य कांग्रेसजनों के साथ नौहझील में 14 अगस्त को मारपीट की गई थी। इस मामले में उसी दिन थाने पहुंचकर हमलावरों के खिलाफ तहरीर दी गई थी। पुलिस ने घायलों का मेडिकल भी कराया था। पुलिस ने मामला दर्ज नहीं किया। एसएसपी के कहने पर 17 अगस्त को मामला दर्ज किया गया। स्थानीय पुलिस ने हमलावर पक्ष के

नौहझील पुलिस ने फर्जी मेडिकल पर दर्ज किया मुकदमा

दबाव में आकर 20 अगस्त को पीड़ितों के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज कर लिया। कांग्रेसजनों का आरोप है कि घायलों ने कथित तरीके से प्राइवेट हॉस्पिटल में मेडिकल बनवाया, सरकारी हॉस्पिटल तक नहीं पहुंचे। पुलिस सरकारी हॉस्पिटल के मेडिकल तक पर मुकदमा दर्ज नहीं करती, लेकिन दबाव के चलते प्राइवेट मेडिकल पर फर्जी तरीके से उल्टा पीड़ितों पर ही मुकदमा दर्ज कर लिया है। एसएसपी से इस मामले में निष्पक्ष कार्रवाई कराने और हमलावरों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की गई।

किशोरी को भगा ले जाने की रिपोट दर्ज

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोविंदनगर इलाके में एक फैक्ट्री में काम करने वाले युवक की बहन को पड़ोसी युवक अपने साथियों के साथ बहला-फुसलाकर भगा ले गया। इस मामले में युवक ने पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। बताया गया कि थाना हाईवे क्षेत्र के रहने वाले युवक ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि वह माहेश्वरी चौराहा स्थित बृजराज डब्बू फैक्ट्री में काम करता है। वह 13 अगस्त को वह अपनी दोनों बहनों के साथ फैक्ट्री गया था। उसकी छोटी बहन फैक्ट्री से घर जाने की कहकर निकली, इसके बाद वह घर नहीं पहुंची। उसने शक जाहिर किया है कि पड़ोस में रहने वाला राहुल उसकी बहन को बहला–फुसला कर अपने साथी शिवम, सौरभ, रोहित के सहयोग से ले गया है। इस मामले में इमरान और सोहिल ने भी सहयोग दिया है। पुलिस ने तहरीर पर मामला दर्ज करने के बाद किशोरी को बरामद करने के प्रयास शुरू कर दिए हैं।

महिला ने लगाया पत्रकार सहित चार पर चौथ मांगने का आरोप

यूनिक समय, मथुरा। डीग गेट नई बस्ती में रहने वाली एक महिला ने पत्रकार सहित चार लोगों पर चार हजार रुपये मांगने और रुपये न देने पर जेल भिजावाने की धमकी देने की शिकायत पुलिस से की है।

डीग गेट नई बस्ती में रहने वाली महिला ने पुलिस को दी गई तहरीर मे आरोप लगया है कि उससे पत्रकार सहित चार लोगों द्वारा चार हजार रुपये की चौथ मांगी जा रही है। रुपये न देने पर झूठे मामले में जेल भिजवाने की लगातार धमकी दी जा रही है। महिला का आरोप है कि ये लोग काफी समय से उसे परेशान कर रहे हैं। बताया गया कि थाना प्रभारी ने इस मामले में रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

बालिका संरक्षण गृह में बालिका की हुई मौत

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन के बालिका संरक्षण गृह में बाथरूम में गिरी मिली एक बालिका की अस्पताल में मौत हो गई। बताया गया कि बालिका संरक्षण गृह में जून 2026 से रह रही एक दस साल की बालिका बाथरूम में पड़ी मिली। दूसरी लड़कियों ने अधीक्षका को इस बारे में बताया गया। अधीक्षिका ने उसे हॉस्पिटल में भर्ती कराया। बताया गया कि हॉस्पिटल में बालिका की मौत हो गई। पुलिस ने बालिका के शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मचा रहा।

के.डी. मेडिकल कॉलेज हॉस्पीटल एण्ड रिसर्च सेंटर
मथुरा में पहली बार CRRT मशीन द्वारा उपचार

सीआरआरटी (CRRT - Continuous Renal Replacement Therapy निरंतर वृक्क प्रतिस्थापन चिकित्सा) एक धीमी गति से चलने वाली डायलिसिस प्रक्रिया है। इसका उपयोग गंभीर रूप से बीमार और अस्थिर रक्तचाप वाले मरीजों के खून से लगातार 24 घंटे विषैले पदार्थ और अतिरिक्त तरल पदार्थ निकालने के लिए किया जाता है।

सीआरआरटी के मुख्य कार्य
- तरल संतुलन: शरीर में जमे अतिरिक्त पानी और सूजन को धीरे-धीरे बाहर निकालना।
- टॉक्सिन हटाना: खून से यूरिया, क्रिएटिनिन और अन्य हानिकारक कचरे को साफ करना।
- इलेक्ट्रोलाइट नियंत्रण: पोटेशियम और सोडियम जैसे जरूरी तत्वों के स्तर को ठीक रखना।
- रक्तचाप स्थिरता: सामान्य डायलिसिस की तुलना में हृदय पर कम दबाव डालना, जिससे बीपी अचानक नहीं गिरता।

गुर्दा रोग विभाग (नेफ्रोलॉजी)
- एक्यूट किडनी फेलियर
- क्रोनिक किडनी फेलियर
- नेफ्रोटिक सिंड्रोम
- पेशाब में खून आना
- पेशाब में प्रोटीन आना
- पेशाब के रास्ते में जलन होना
- शरीर में सूजन आना
- पेशाब का कम ज्यादा आना
- अत्यधिक बीपी बढ़ना
- बार–बार खून कम होना
- गुर्दे प्रत्यारोपण की सलाह
- डायलिसिस संबंधी समस्त इलाज

Dr Seetram Singh Kularaj
MBBS: (KGMU), Lucknow.
MD: (KGMU), Lucknow.
DM-Nephrology: (SMS), Jaipur.

फ्री ओपीडी
प्रातः 9 बजे से सायं 4 बजे तक
24/7 इमरजेंसी सेवायें

अकबरपुर, छाता, मथुरा 7055400400, 7088105741

ब्रज में सावन के झूले और लोकगीत हुए गायब

यूनिक समय, मथुरा। कभी सावन आते ही ब्रज के गांवों और कस्बों में पेड़ों पर झूले पड़ जाते थे। आंगन और चौपालों में महिलाओं की टोलियां जुटती थीं और ढोलक की थाप पर सावन के लोकगीत गूंजते थे। झूलों के साथ हंसी–ठिठोली और गीतों का सिलसिला पूरे सावन चलता था, लेकिन बदलती जीवनशैली के बीच अब यह परंपरा धीरे–धीरे सिमटती जा रही है। कई स्थानों पर झूले लगाने के लिए पेड़ तक दिखाई नहीं देते और लोकगीतों की जगह आधुनिक मनोरंजन के साधनों ने ले ली है।

ब्रज में सावन के झूले केवल मनोरंजन का साधन नहीं थे, बल्कि परिवार और समाज को जोड़ने का माध्यम भी थे। एक परिवार की

महिलाएं ही नहीं, आसपास की बहुएं, बेटियां और पड़ोस की महिलाएं भी झूला झूलने के लिए एकत्र होती थीं। बदलती जीवनशैली और संयुक्त परिवारों के बिखरने से यह सामूहिकता कमजोर हुई है। रिश्तों में बढ़ती दूरी और परिवारों के अलग–अलग रहने से त्योहारों की वह

बदलती जीवनशैली ने सदियों पुरानी परंपरा को समेटा

टूटते रिश्तों से सिमटी सामूहिक सावन की परंपरा

मोबाइल और आधुनिक साधनों ने बदला मनोरंजन

सामूहिक खुशी भी कम होती गई।

पहले गांवों में नीम, पीपल, बरगद, आम और अन्य घने पेड़ आसानी से मिल जाते थे। इन्हीं पेड़ों की मजबूत डालियों पर सावन के झूले पड़ते थे। अब बढ़ते निर्माण, सड़कों के विस्तार और पेड़ों की लगातार कमी के कारण झूले लगाने के लिए उपयुक्त स्थान कम हो गए हैं। कई गांवों में पुराने पेड़ कट गए और उनकी जगह पक्के मकान खड़े हो गए। ब्रज भाषा के जानकार राजेश कुमार कहते हैं कि ब्रज और सावन का महीना हर किसी को प्यारा लगता है, कई फिल्मों में झूले और ब्रज का महत्व मिलता है।

आज बच्चों और युवाओं का अधिकांश समय मोबाइल फोन और अन्य आधुनिक मनोरंजन साधनों में बीत रहा है। महिलाएं भी घरेलू जिम्मेदारियों और बदलती दिनचर्या के कारण पहले की तरह सामूहिक रूप से लोकगीत गाने के लिए एकत्र नहीं हो पातीं। परिणामस्वरूप सावन के गीत नई पीढ़ी तक पहुंचने से पहले ही बुजुर्गों की यादों तक सीमित होते जा रहे हैं।

गोविंद गोपाल शर्मा का कहना है कि सावन के झूले और लोकगीत केवल परंपरा नहीं, बल्कि ब्रज की सामाजिक एकता और सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा हैं। इन्हें बचाने के लिए गांवों में सामूहिक आयोजन, लोकगीत प्रतियोगिताएं और पौधरोपण को बढ़ावा देना जरूरी है। पेड़ बचेंगे, परिवार और समाज साथ आएंगे तो सावन की वह पुरानी रौनक भी लौट सकती है।

सफाई कर्मचारी का शव रख भरतपुर गेट पर लगाया जाम

भरतपुर गेट पर सफाईकर्मी का शव रखकर जाम लगाते परिजन एवं अन्य लोग।

मुआवजा और परिवार के सदस्य को नौकरी देने की मांग पर अड़े प्रदर्शनकारी

भारी भीड़ से चौराहे पर थमा यातायात, पुलिस ने संभाली स्थिति

भरतपुर गेट पर सफाईकर्मी के शव के पास रोते परिजन।

मृतक सफाई कर्मचारी ओमप्रकाश का बेटा।

भरतपुर गेट पर सफाईकर्मी का शव लेने आई एंबुलेंस को लौटाते सफाई कर्मचारी।

यूनिक समय, मथुरा। नगर निगम के सफाई कर्मचारी ओमप्रकाश की सड़क हादसे में मौत के बाद शनिवार को मामला तूल पकड़ गया। पोस्टमार्टम के बाद शव मोर्चरी से ले जाते समय परिजनों, साथ आए लोगों और वाल्मीकि समाज के लोगों ने शव को भरतपुर गेट चौराहे पर रख दिया। इसके बाद प्रदर्शन करते हुए चौराहे पर जाम लगा दिया गया। जाम लगते ही चारों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात पूरी तरह बाधित हो गया।

प्रदर्शनकारी मृतक के परिवार को मुआवजा देने के साथ नगर निगम में एक सदस्य को स्थायी नौकरी देने की मांग कर रहे थे। प्रदर्शन के दौरान किसी भी वाहन को चौराहे से निकलने नहीं दिया गया। देखते ही देखते भरतपुर गेट के आसपास की सड़कों पर वाहनों की कतार लग गई। राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा।

चौराहे पर जाम लगाए जाने की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारियों में हड़कंप मच गया। सीओ सिटी आशना चौधरी, कोतवाली प्रभारी सहित आसपास के थानों का पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर स्थिति को सामान्य कराने का प्रयास किया।

सीओ आशना चौधरी और नगर निगम के अपर नगर आयुक्त सौरभ सिंह समेत अन्य अधिकारियों ने प्रदर्शनकारियों के प्रतिनिधियों से वार्ता शुरू की। अधिकारियों ने उनकी मांगों को सुना और जाम खोलने के लिए बातचीत की। प्रदर्शनकारी मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता के साथ नौकरी दिए जाने की मांग पर अड़े रहे। अधिकारियों और प्रदर्शनकारियों के प्रतिनिधियों के बीच देर तक बातचीत चलती रही। पुलिस अधिकारी लगातार लोगों से शांति बनाए रखने की अपील करते रहे। चौराहे पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। जाम के कारण शहर के प्रमुख मार्गों पर यातायात प्रभावित हुआ और वाहन चालकों को वैकल्पिक रास्तों का सहारा लेना पड़ा।

छाता शुगर मिल प्रकरण

पूर्व सैनिकों के धरने में शामिल हुईं महिलाएं

छाता शुगर मिल चालू कराने की मांग को लेकर चल रहे धरना में शामिल होने पहुंची महिलाएं।

बोलीं–योगी जी सूर्य के समान, दूर करेंगे क्षेत्र का अंधकार

यूनिक समय, छाता। बंद पड़ी शुगर मिल को पुनः शुरू कराने की मांग को लेकर पूर्व सैनिकों द्वारा दिए जा रहे धरने को अब लगातार जनसमर्थन मिलने लगा है। शनिवार को बड़ी संख्या में स्थानीय महिलाएं भी धरना स्थल पर पहुंचीं और आंदोलन को समर्थन दिया। भावना सहित अन्य महिलाओं का कहना है कि चीनी मिल चालू होने से न केवल क्षेत्र के किसानों और मजदूरों का भला होगा, बल्कि चीनी के दामों में भी गिरावट आएगी, जिससे आम जनता को राहत मिलेगी।

धरना स्थल पर महिलाओं ने गन्ने की खेती के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि यदि क्षेत्र में बड़े पैमाने पर गन्ना उगेगा, तो गुड़ और शक्कर के कुटीर उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा। इससे स्थानीय स्तर पर लोगों को रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। महिलाओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर विश्वास जताते हुए कहा कि वह हमारे लिए सूर्य के प्रकाश के समान हैं, जो अपने कार्यों से क्षेत्र में फैले निराशा के अंधकार को दूर करेंगे। महिलाओं ने उम्मीद जताई कि मुख्यमंत्री उनकी इस जायज मांग पर जल्द संज्ञान लेंगे और चीनी मिल चालू कराकर क्षेत्र की जनता को निराश नहीं करेंगे।

झोलाछाप के इंजेक्शन ने ली युवक की जान

पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया

यूनिक समय, मथुरा। पैगांव में एक झोलाछाप डाक्टर ने युवक की रीढ़ की हड्डी में इंजेक्शन लगा दिया, हालत बिगड़ने पर हायर सेंटर ले जाया गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। युवक के पिता ने थाना शेरगढ़ में इस मामले में तहरीर दी है।

थाना शेरगढ़ के गांव विशम्भरा निवासी मजीद ने बताया कि उसका पुत्र आमिर (33) 12 अगस्त की सायं को पेट दर्द की शिकायत पर पैगांव निवासी झोलाछाप डाक्टर खेमचंद की क्लीनिक पर गया। खेमचंद ने आमिल की रीढ़ की हड्डी में इंजेक्शन लगा दिया। इंजेक्शन लगाने के बाद उसका कमर से नीचे का हिस्सा पेरलाइज हो गया। इसके बाद डाक्टर क्लीनिक को बंद करने के बाद भाग गया। लोगों के बताने पर परिवार के लोग उसे लेने पहुंचे। उस समय वह जमीन पर पड़ा हुआ था। परिवार के लोग उसे उठा कर कोसीकलां के हॉस्पिटल ले गए। वहां से फरीदाबाद ले गए। इसके बाद वहां भी फायदा न होने पर उसे मथुरा के एक हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया जहां उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचयात नामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक–पवन गौतम

फोन नंबर–0565–3550761

मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com

website : uniquesamay.com

RNI-UPHIN/2023/85053

DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

केडी हॉस्पिटल में किडनी पीड़ितों को मिली सीआरआरटी मशीन की सौगात

यूनिक समय, मथुरा। के.डी. मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेण्टर लगातार मरीजों को आधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है। शनिवार को संस्थान के चेयरमैन मनोज अग्रवाल और विशेषज्ञ नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. सीताराम सिंह ने किडनी पीड़ितों के बेहतर इलाज के लिए कंटीन्यूअस रेनल रिप्लेसमेंट थेरेपीज (सीआरआरटी) मशीन का शुभारंभ किया। मथुरा जनपद में लगने वाली पहली सीआरआरटी मशीन आईसीयू में भर्ती गंभीर रोगियों के लिए वरदान साबित होगी।

सीआरआरटी मशीन के शुभारम्भ के अवसर पर उपस्थित संस्थान के चेयरमैन मनोज अग्रवाल और विशेषज्ञ नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. सीताराम सिंह।

विशेषज्ञ नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. सीताराम सिंह का कहना है कि सीआरआरटी मशीन एक विशेष प्रकार की डायलिसिस मशीन होती है। इसका उपयोग आईसीयू में भर्ती गंभीर रोगियों के लिए किया जाता है। जिन लोगों की किडनी अचानक काम करना बंद कर देती है या जिनका रक्तचाप बहुत

मथुरा जनपद की पहली मशीन आईसीयू में भर्ती मरीजों के लिए होगी वरदान

असंतुलित या कम होता है, या जिनका खून बहुत पतला होता है, उनके उपचार में यह मशीन बहुत उपयोगी है।

उन्होंने बताया कि सीआरआरटी मशीन 24 घंटे धीरे-धीरे खून को साफ करती है। यह शरीर से यूरिया और क्रिएटिनिन जैसे जहरीले अपशिष्ट पदार्थों को लगातार बाहर निकालती रहती है। उन्होंने बताया कि सामान्य डायलिसिस की तुलना में यह प्रक्रिया बहुत धीमी होती है। इसलिए यह उन मरीजों के लिए सुरक्षित है जिनका ब्लड-प्रेशर बहुत कम या अस्थिर रहता है। यह मशीन शरीर में जमे अतिरिक्त पानी और सूजन को नियंत्रित करने में भी मदद करती है। शरीर में सोडियम, पोटेशियम और एसिड-बेस के स्तर को भी सामान्य बनाए रखती है।

डॉ. सिंह का कहना है कि सीआरआरटी मशीन का इस्तेमाल आजकल गंभीर रूप से बीमार किडनी फेलियर वाले मरीजों के लिए इंटेंसिव केयर यूनिट में ज्यादा किया जा रहा है क्योंकि यह शरीर पर कम दबाव डालती है। सीआरआरटी, स्टैंडर्ड डायलिसिस तकनीकों की तुलना में शरीर से कचरा और तरल पदार्थ को ज्यादा आराम से निकालती है।

के.डी. मेडिकल कॉलेज-हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेण्टर के चेयरमैन मनोज अग्रवाल का कहना है कि हमारा उद्देश्य मरीजों को कम लागत में उच्च गुणवत्ता और सही समय पर इलाज सुनिश्चित करना है। चिकित्सा क्षेत्र में लगातार बदलाव हो रहे हैं, ऐसे में हमारा प्रयास है कि के.डी. हॉस्पिटल में हर रोग के जांच और उपचार की बेहतर सुविधाएं हों ताकि किसी मरीज को महानगरों की तरफ न भागना पड़े।

वृंदावन में कोसीकलां के खिलाड़ियों का जलवा

यूनिक समय, कोसीकलां। खेल के मैदान में नगर के होनहारों ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है। वृंदावन में आयोजित हुई चार दिवसीय क्षेत्रीय जूडो-बॉक्सिंग प्रतियोगिता में सरस्वती विद्या मंदिर के विद्यार्थियों ने पदकों की झड़ी लगा दी। विद्यार्थियों ने कुल 32 पदक जीतकर न केवल अपने विद्यालय का बल्कि पूरे क्षेत्र का मान बढ़ाया है।

विद्या भारती शिक्षा संस्थान के तत्वावधान में यह प्रतियोगिता 16 से 19 अगस्त तक वृंदावन स्थित परमेश्वरी देवी धानुका सरस्वती विद्या मंदिर में आयोजित की गई थी। जिसमें पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड जोन के

जूडो-बॉक्सिंग में 32 पदक जीतकर रचा इतिहास

तमाम जिलों के खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया। प्रतियोगिता में सरस्वती विद्या मंदिर के छात्रों ने दोहरी सफलता हासिल की। बॉक्सिंग स्पर्धा में नौ स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य पदक जीते, तो वहीं जूडो में छह स्वर्ण, छह रजत और छह कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। विद्यालय की ओर से वंशिका, मानसी, मनीष, गगन, आर्यन, गौतम, भीष्म, लक्ष्मण, अभिलाषा, शिवम, सोनिया, मयंक, दीपांशु और अंशुल सहित एक दर्जन से अधिक खिलाड़ियों ने प्रतिभाग कर पदक तालिका में अपना दबदबा कायम किया। जीत के बाद उत्साहित खिलाड़ियों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोच को दिया। खिलाड़ियों ने कहा कि बॉक्सिंग कोच आशीष पवार और जूडो कोच प्रशांत त्रिपाठी के अनुशासित प्रशिक्षण और मार्गदर्शन से ही यह मुकाम हासिल हो पाया है। इस उपलब्धि पर विद्यालय प्रबंधक कृष्ण कुमार अग्रवाल, प्रधानाचार्य कुमुदेश कुमार, रविंद्र समाधिया, राहुल गर्ग और जितेंद्र प्रचेता ने सभी विजेता खिलाड़ियों को मिठाई खिलाकर बधाई दी और भविष्य में राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

बारिश के बाद नगर में मच्छरों का आतंक

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर में हो रही लगातार बारिश के बाद जगह-जगह जलभराव होने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है, लेकिन नगर पालिका की लापरवाही के कारण अभी तक दवा का छिड़काव नहीं कराया गया है। जिससे लोगों का घरों में सोना मुश्किल हो गया है। नगर पालिका के पास मच्छरों को मारने के लिए दो फॉगिंग मशीनें उपलब्ध हैं, लेकिन ये मशीनें महीनों से कार्यालय में शोपीस बनकर रखी हुई हैं। न तो गली-मोहल्लों में दवा का छिड़काव हो रहा है और न ही नालियों में एंटी लार्वा का छिड़काव किया जा रहा है। बच्चे, बुजुर्ग सभी मच्छरों से परेशान हैं। मच्छरों के काटने से डेंगू और मलेरिया का खतरा बढ़ गया है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रभारी डॉ. गिरेंद्र पाल सिंह ने बताया कि अस्पताल में बुखार के मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। रोजाना ओपीडी में 80 से 100 बुखार के मरीज आ रहे हैं।

बीएसए कॉलेज में युवाओं को अंगदान का दिया संदेश

कार्यक्रम में मौजूद बीएसए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल आदि।

यूनिक समय, मथुरा। बीएसए कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, मथुरा में रोटरी क्लब ऑफ ऑर्गन डोनेशन इंटरनेशनल के सहयोग से 'अंगदान में युवाओं की भूमिका' विषय पर प्रेरणादायक व्याख्यान आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों और युवाओं को अंगदान के महत्व से अवगत कराते हुए उन्हें इस पुनीत अभियान से जोड़ना रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एवं प्रेरक वक्ता रोटेरियन लाल गोयल, संस्थापक और चार्टर प्रेसिडेंट, रोटरी क्लब ऑफ ऑर्गन डोनेशन इंटरनेशनल ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि युवा शक्ति समाज में सकारात्मक बदलाव की सबसे बड़ी ताकत है। यदि युवा अंगदान का संदेश परिवार, मित्रों और समाज तक पहुंचाएं तो जरूरतमंद लोगों को नया जीवन मिल सकता है।

कॉलेज के चेयरमैन एडवोकेट उमाशंकर अग्रवाल ने अंगदान को मानवता की महान सेवा बताते हुए कहा कि समाज में इसके प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। उन्होंने

विशेषज्ञों ने अंगदान को मानवता की महान सेवा बताते हुए जागरूक किया

विद्यार्थियों से परिवार और समाज तक अंगदान का संदेश पहुंचाने का किया आह्वान

विद्यार्थियों से अभियान का हिस्सा बनकर लोगों को प्रेरित करने का आह्वान किया। वाइस चेयरमैन इं. नितिन मित्तल ने कहा कि अंगदान किसी व्यक्ति के जीवन का अंत नहीं, बल्कि किसी दूसरे व्यक्ति के जीवन की नई शुरुआत बन सकता है। कार्यक्रम में रोटेरियन पीएचएफ दीपक गोयल, अधिवक्ता रमेश के. शर्मा और रोटेरियन रितिका गुप्ता विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने भी युवाओं से अंगदान के प्रति सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की। इस अवसर पर संस्थान के अधिकारी, विभागाध्यक्ष, शिक्षक और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

संस्कार भारती के पदाधिकारियों के साथ पुरस्कृत छात्रा-छात्राएं।

रंग-बिरंगी राखियों में खिला बच्चों का हुनर

यूनिक समय, वृंदावन। संस्कार भारती के तत्वावधान में रक्षाबंधन पर्व पर आयोजित राखी बनाओ प्रतियोगिता में बच्चों ने भाग लेते हुए अपनी रचनात्मक प्रतिभा और कलात्मक कौशल का सुंदर प्रदर्शन किया। बच्चों ने रंग-बिरंगी, आकर्षक-कलात्मक राखियां बनाकर कल्पनाशीलता का परिचय दिया।

संस्था अध्यक्ष ब्रजकिशोर त्रिपाठी ने कहा कि प्रतियोगिताओं से बच्चों में सृजनात्मकता, आत्मविश्वास और भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति सम्मान की भावना को बढ़ावा मिलता है। संस्था संरक्षक मोहन मोही ने बच्चों को राखी का महत्व समझाया। प्रतियोगिता में 30 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। इसमें रवि ने प्रथम, तनुश्री अग्रवाल दूसरे और राधा सैनी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। सभी प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन ज्योत्सना त्रिपाठी और पूनम चतुर्वेदी ने किया।

छात्राओं ने राजकीय संग्रहालय में जानी सांस्कृतिक-ऐतिहासिक धरोहरें

भ्रमण के दौरान राजकीय संग्रहालय में मौजूद के.आर.गर्ल्स डिग्री कॉलेज की छात्राएं।

यूनिक समय, मथुरा। केआर गर्ल्स डिग्री कॉलेज के समाजशास्त्र विभाग की छात्राओं को शैक्षणिक भ्रमण के तहत राजकीय संग्रहालय का भ्रमण कराया गया। इस दौरान छात्राओं ने संग्रहालय में संरक्षित प्राचीन सांस्कृतिक-ऐतिहासिक धरोहरों को देखा और उनके बारे में जानकारी प्राप्त की। समाजशास्त्र विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ.अनुपम मिश्रा और वंदना के नेतृत्व में छात्राएं राजकीय संग्रहालय पहुंचीं। संग्रहालय की असिस्टेंट डायरेक्टर डॉ. प्रतिभा दुबे और रचना ने छात्राओं को संग्रहालय में रखी विभिन्न ऐतिहासिक-पुरातात्विक धरोहरों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संग्रहालय में संरक्षित अनेक वस्तुएं मथुरा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और प्राचीन इतिहास की महत्वपूर्ण कड़ियां हैं। छात्राओं को विभिन्न स्थानों पर हुई खुदाई के दौरान प्राप्त पुरातात्विक अवशेषों के बारे में भी जानकारी दी। छात्राओं ने संग्रहालय में रखी मूर्तियों, कलाकृतियों और अन्य पुरावशेषों को देखा, उनके बारे में जिज्ञासा भी व्यक्त की। शैक्षणिक भ्रमण से छात्राओं को पुस्तकीय ज्ञान के साथ मथुरा की ऐतिहासिक-सांस्कृतिक विरासत को प्रत्यक्ष रूप से समझने का अवसर मिला।

बैगलेस डे में बच्चों ने दिखाई हुनर की रंगीन झलक

यूनिक समय, मथुरा। किताबों और कॉपियों से अलग हटकर बच्चों ने जब अपने हुनर को हाथों से आकार दिया तो विद्यालय परिसर में प्रतिभा के रंग बिखर उठे। प्रदेश सरकार की पहल के तहत आयोजित बैगलेस डे में उच्च प्राथमिक विद्यालय बल्टीकरी के कक्षा एक से आठ तक के विद्यार्थियों ने विभिन्न रचनात्मक और खेलकूद गतिविधियों में उत्साह के साथ भाग लिया। किसी ने मेहंदी लगाकर कला दिखाई तो किसी ने पोस्टर और राखियां बनाकर अपनी कल्पनाशक्ति का प्रदर्शन किया। बैगलेस डे के दौरान विद्यालय में मेहंदी लगाना, पोस्टर निर्माण, राखी बनाना और खेलकूद समेत कई गतिविधियां कराई गईं।

बैगलेस डे पर गतिविधियां करते विद्यार्थी।

छात्राओं ने अपने हाथों पर

हाथों में मेहंदी, कागज पर सजे पोस्टर और राखियों में बिखेरी रचनात्मकता, खेलकूद में भी दिखा उत्साह

आकर्षक मेहंदी रचाई, जबकि विद्यार्थियों ने रंगों और कागज की मदद से सुंदर पोस्टर तैयार किए। बच्चों ने अपने हाथों से बनाई गई कलाकृतियों को एक-दूसरे के सामने प्रदर्शित किया।

विद्यालय की छात्राएं आरती, मोनिका, वैशाली, तनुष्का और दीपिका समेत अन्य विद्यार्थियों ने विभिन्न गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। खेलकूद में भी बच्चों ने उत्साह दिखाया। जिले के विद्यालय परिसर में बच्चों की रचनात्मक गतिविधियों से उत्साह और उमंग का माहौल बना रहा। शिक्षिका बबीता चौधरी, शिक्षक दिनेश सिंह देसवार, शिल्पा चाहर, सत्यपाल सिंह और नरेश कुमार राज ने विद्यार्थियों को गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

बीएसए रतन कीर्ति ने कहा कि बैगलेस डे से विद्यार्थियों को किताबी पढ़ाई के साथ रचनात्मक और व्यावहारिक गतिविधियों से जोड़ना है। ऐसे आयोजनों से बच्चों में आत्मविश्वास, रचनात्मक सोच और मिल-जुलकर काम करने की भावना विकसित होती है।

जन्मभूमि और द्वारिकाधीश में सजी काली घटा, जयकारों से गूंजे मंदिर

काली घटा के मनोहारी दर्शन को उमड़े श्रद्धालु, पुष्पों और प्राकृतिक सजावट से सजे मंदिर परिसर

शनिवार को श्रीकृष्ण जन्मस्थान पर केशवदेव भगवान और मंदिर द्वारिकाधीश में राजाधिराज काली घटाओं में विराजमान हुए तो वातावरण जय-जयकार से गूंजता रहा।

यूनिक समय, मथुरा। श्रावण मास में श्रीकृष्ण जन्मभूमि और ठाकुर द्वारिकाधीश मंदिर में आयोजित होने वाली विभिन्न घटाओं की श्रृंखला के तहत शनिवार को काली घटा सजाई गई। दोनों मंदिरों में ठाकुर के मनोहारी स्वरूप के दर्शन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। काली घटा में विराजमान ठाकुर की एक झलक पाने के लिए भक्त देर तक कतारों में खड़े रहे।

श्रीकृष्ण जन्मस्थान के प्रांगण में स्थित ठाकुर श्रीकेशवदेव के मंदिर में शाम चार बजे से रात दस बजे तक काली घटा के दर्शन हुए।

ठाकुर के दरबार को काले वस्त्रों, लता-पत्तियों, पुष्पों और प्राकृतिक वृक्षावली से आकर्षक रूप से सजाया गया। इस बार सजावट में प्राकृतिक वस्तुओं का अधिक प्रयोग किया गया। मंदिर और प्रवेश द्वार की सजावट ने पूरे परिसर को काली घटा के स्वरूप में बदल दिया।

ठाकुर द्वारिकाधीश मंदिर में भी काली घटा की भव्य सजावट की गई। काले रंग की आकर्षक सजावट के बीच ठाकुर द्वारिकाधीश महाराज के दर्शन कर श्रद्धालु भाव-विभोर नजर आए।

मंदिर परिसर में भक्तों ने जयकारे लगाए और भक्ति में झूमते दिखाई दिए। मंदिर के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी ने बताया कि श्रावण मास की घटाओं में काली घटा का विशेष आकर्षण रहता है। उन्होंने बताया कि रविवार को ठाकुर राजाधिराज शाम 5:10 से 5:50 बजे तक केसरी मखमल के हिंडोले में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगे।

परियोजनाओं की धीमी रफ्तार पर मंडलायुक्त ने जताई नाराजगी

आईजीआरएस निस्तारण में गुणवत्ता सुधारने पर जोर

मथुरा की छाता सीवरेज योजना की धीमी प्रगति पर जताई नाराजगी

मंडलायुक्त ने विकास कार्यों में तेजी लाने के दिए निर्देश

विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में मौजूद आयुक्त नगेंद्र प्रताप सिंह, डीएम चंद्रप्रकाश सिंह आदि।

यूनिक समय, मथुरा। शनिवार को वृंदावन स्थित गीता शोध संस्थान परिसर में यमुना एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के क्षेत्रीय कार्यालय में मंडलायुक्त नगेन्द्र प्रताप की अध्यक्षता में मंडलीय विकास कार्यों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में आगरा, मथुरा, फिरोजाबाद और मैनपुरी के अधिकारियों से योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली गई।

बैठक की शुरुआत आईजीआरएस की समीक्षा से हुई। मंडल की रैंक में गिरावट पर मंडलायुक्त ने अधिकारियों को लंबित शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने और शिकायतकर्ताओं से संपर्क कर उनकी संतुष्टि सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विकास कार्यों में भी समयबद्धता और गुणवत्ता पर विशेष जोर दिया।

पशुपालन विभाग की समीक्षा में आगरा और मथुरा में निर्माणाधीन सात-सात वृहद गो-संरक्षण केंद्रों को समय से पूरा करने के निर्देश दिए गए। प्राथमिक शिक्षा विभाग को ऑपरेशन कायाकल्प के तहत विद्यालयों में सभी 19 मानक पूरे कराने, फर्नीचर, पेयजल, शौचालय और स्वच्छता की व्यवस्था दुरुस्त रखने को कहा गया। स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में पात्र लोगों के आयुष्मान कार्ड शत-प्रतिशत बनाने के निर्देश दिए गए। वरिष्ठ नागरिकों के आयुष्मान कार्ड में मथुरा में 43 प्रतिशत लक्ष्य अभी शेष होने पर तेजी लाने को कहा गया। कृषि विभाग को फार्मर्स रजिस्ट्री में प्रगति बढ़ाने के निर्देश मिले।

50 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाली परियोजनाओं की समीक्षा में मथुरा की छाता टाउन सीवरेज योजना की धीमी प्रगति पर मंडलायुक्त ने नाराजगी जताई। उन्होंने निर्माण कार्य में तेजी लाने और गुणवत्ता बनाए रखने के निर्देश दिए। इसके अलावा आगरा और फिरोजाबाद की सेतु और सड़क परियोजनाओं को भी समय से पूरा कराने को कहा गया। अधिकारियों को स्पष्ट किया गया कि विकास कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में संयुक्त विकास आयुक्त उमेश मणि त्रिपाठी, डीएम चंद्र प्रकाश सिंह, डीएम आगरा मनीष कुमार बंसल, डीएम मैनपुरी इंद्रमणि त्रिपाठी, डीएम फिरोजाबाद संतोष कुमार शर्मा, सीडीओ प्रतिभा सिंह, सीडीओ शत्रोहन वैश्य, सीडीओ मैनपुरी नेहा बंधु, सीडीओ पूजा गुप्ता, एडीएम वित्त पंकज वर्मा और समस्त मंडलीय अधिकारी मौजूद रहे।

स्वच्छ ब्रज पावन ब्रज संकल्प यात्रा में निकली जागरूकता रैली

शांतनु कुंड क्षेत्र में चला सफाई अभियान, ग्रामीणों से सहयोग की अपील

वाटर कूलर और डस्टबिन लगाए, 84 कोस में अभियान विस्तार की तैयारी

यूनिक समय, मथुरा। बृज सेवा फाउंडेशन की ओर से 'स्वच्छ ब्रज, पावन ब्रज' संकल्प यात्रा के तहत शांतनु कुंड और आसपास के क्षेत्र में स्वच्छता एवं जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। सतोहा गांव में जागरूकता रैली निकालकर ग्रामीणों और श्रद्धालुओं को धार्मिक स्थलों की स्वच्छता बनाए रखने के लिए प्रेरित किया गया। रैली में श्रीजीबाबा विद्यालय, श्रीजीबाबा बालिका विद्यालय और शांतनु बिहारी शिव चरण लाल विद्यालय के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों ने स्वच्छता का संदेश देते हुए लोगों से कुंडों के आसपास कूड़ा न डालने और धार्मिक स्थलों को स्वच्छ रखने की अपील की। राम लक्ष्मण जानकी सेवा समिति की ओर से कुंडों की सफाई की गई। सह नगर आयुक्त नीरज और अनुज कौशिक ने अभियान की सराहना करते हुए नगर निगम की ओर से सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि ब्रज के धार्मिक स्थलों को स्वच्छ रखना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए बृज सेवा फाउंडेशन ने शांतनु कुंड पर वाटर कूलर और डस्टबिन भी स्थापित किए। संस्था ने बताया कि अभियान को आगे ब्रज के 84 कोस क्षेत्र तक चरणबद्ध रूप से विस्तार दिया जाएगा। इसके तहत कुंडों, धार्मिक स्थलों और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता, पेयजल, कूड़ा प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण को लेकर जनभागीदारी बढ़ाई जाएगी। संस्था ने लोगों से अभियान को जनआंदोलन बनाने में सहयोग की अपील की।

दिशा समिति के प्रतिनिधि नियुक्त हुए संजीव कुमार

यूनिक समय, मथुरा। जनपद में विकास कार्यों और जनहित से जुड़े विषयों को प्रभावी ढंग से संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाने के लिए संजीव कुमार को उत्तर प्रदेश राज्य विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) के अधिकृत प्रतिनिधि के रूप में नियुक्त किया गया है अधिवक्ता प्रमोद शर्मा ने यह नियुक्ति की है। संजीव कुमार को जनपद से संबंधित विकासकार्यों जनहित के महत्वपूर्ण विषयों, शासन की विभिन्न विकास- कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में संबंधित अधिकारियों, विभागों के साथ आवश्यक समन्वय करने के लिए अधिकृत किया गया है।

टेंपो को तेज रफ्तार बाइक ने मारी टक्कर, चालक की मौत

यूनिक समय, महावन। थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार बाइक ओर टेंपो में हुई टक्कर के दौरान टेंपो चालक की मौत हो गई दुर्घटना में तीन लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोगों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

बताया गया कि चौमुहां निवासी राजू टेपों में सवारियां लेकर महावन की ओर जा रहा था। रास्ते में तेज रफ्तार बाइक सवारों ने टेपों में टक्कर मार दी, जिससे टेपों अनियंत्रित होकर पलट गया।

हादसे में चालक राजू समेत चार लोग घायल हो गए। गंभीर घायल राजू को स्थानीय लोगों की मदद से जिला अस्पताल पहुंचाया गया। हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे रात में निजी अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। वहां चिकित्सकों ने जांच के बाद राजू को मृत घोषित कर दिया।

हादसे की सूचना मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। मृतक के दो बेटे और एक बेटी हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाइक सवार नशे में होने की वजह से बाइक को तेज गति से चला रहा था। मृतक के भाई ने बाइक सवार के खिलाफ महावन थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

केएमपीएस में हुआ प्रेरणादायी मोटिवेशनल सेशन

जीएलए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अनूप कुमार गुप्ता ने विद्यार्थियों को सफलता को किया प्रेरित

कार्यक्रम में शामिल विद्यार्थी और जीएलए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अनूप कुमार गुप्ता।

यूनिक समय, मथुरा। कान्हा माखन पब्लिक स्कूल (केएमपीएस), मथुरा में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, उन्हें सफलता की दिशा में प्रेरित करने के उद्देश्य से मोटिवेशनल सेशन का आयोजन हुआ। जीएलए विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अनूप कुमार गुप्ता ने विद्यार्थियों से संवाद करते हुए उन्हें जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें प्राप्त करने के लिए निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. अनूप कुमार गुप्ता ने विद्यार्थियों को सकारात्मक सोच विकसित करने, उत्कृष्टता के लिए प्रयास करने और व्यक्तिगत- शैक्षणिक विकास के अवसरों का बेहतर उपयोग करनेके लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ संवाद करते हुए उनके प्रश्नों एवं जिज्ञासाओं पर भी चर्चा की।

सत्र के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विद्यालय परिवार ने डॉ. अनूप कुमार गुप्ता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रेरणादायी सत्र विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, सकारात्मक दृष्टिकोण के लिए नई ऊर्जा का संचार करते हैं।

जरारा रजवाह से मिले शव की हुई शिनाख्त

यूनिक समय,मथुरा। थाना सुरीर के जरारा रजवाह से मिले अज्ञात शव की शिनाख्त फिरोजाबाद के रहने वाले के रुप में हुई है। पुलिस ने बताया कि उसका मर्डर कर शव को रजवाह में फेंका गया था। पुलिस इस मामले की जांच कर रही है।

गैंगस्टर गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन पुलिस ने गैंगस्टर के मामले वांछित चल रहे अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, रुपेश कुशवाह निवासी मारूति नगर वृंदावन गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में वांछित चल रहा था। पुलिस ने उसे दबिश देकर मारूति नगर से गिरफ्तार किया है।

सुविचार

अंधेरा कितना भी गहरा हो, विश्वास की एक किरण रास्ता दिखा देती है।
—गुलजार

कल का पंचांग

तिथि	एकादशी	02:00-04:18 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	पूर्वाषाढ़ा	05:44-08:28 तक	माह	श्रावण
सूर्योदय		5:58 AM	चन्द्रोदय	03:45 PM
सूर्यास्त		6:45 PM	चंद्रास्त	02:01 AM
सूर्य राशि		सिंह राशि	चंद्र	धनु राशि
शुभ मुहूर्त		11:56AM–12:48 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:20-05:08
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		05:09 PM: 06:45 PM	वार	रविवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

करियर में तगड़ी तरक्की के लिए उत्तर दिशा में रखें साफ जल

यूनिक समय, मथुरा। करियर में आगे बढ़ने के लिए मेहनत, अनुशासन और सही निर्णय सबसे महत्वपूर्ण माने जाते हैं। इसके साथ वास्तु शास्त्र में कार्यस्थल के वातावरण को सकारात्मक और व्यवस्थित रखने के लिए कुछ उपाय बताए गए हैं। मान्यता है कि उत्तर दिशा में जल तत्व रखने से अवसरों और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बेहतर हो सकता है।

वास्तु के अनुसार उत्तर दिशा का संबंध धन के देवता कुबेर से माना जाता है। इसे धन, करियर और नए अवसरों से जुड़ी दिशा भी कहा जाता है। इसलिए घर या कार्यालय में उत्तर दिशा को साफ और व्यवस्थित रखने की सलाह दी जाती है। यहां भारी सामान, पुराने कागज, कबाड़ या अनुपयोगी वस्तुएं रखने से बचना चाहिए।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

वास्तु मान्यताओं के अनुसार उत्तर दिशा में साफ पानी से भरा छोटा कांच का कटोरा रखा जा सकता है। पानी को नियमित रूप से बदलना और पात्र की सफाई करना जरूरी है। इसके अलावा छोटा जल फव्वारा, जल से संबंधित सुंदर चित्र या नीले रंग की सजावटी वस्तु भी रखी जा सकती है। यदि जल फव्वारा रखा जाए तो उसका पानी साफ होना चाहिए और उसमें अत्यधिक आवाज नहीं होनी चाहिए। टूटे या रिसने वाले पात्र और फव्वारे को रखने से बचने की सलाह दी जाती है। घर से काम करने वाले लोग अपने कार्यस्थल की उत्तर दिशा को खुला और व्यवस्थित रख सकते हैं। वहां जल पात्र या साफ पानी की बोतल रखी जा सकती है। हालांकि पानी को कंप्यूटर, बिजली के तार, चार्जर या अन्य विद्युत उपकरणों के पास बिल्कुल नहीं रखना चाहिए।

करियर में सफलता के लिए अपनाएं यह सरल उपाय

घर से काम करने वालों के लिए भी उपयोगी

वास्तु की इन मान्यताओं को अपनाने के साथ अपने कौशल को बढ़ाना, लक्ष्य तय करना, समय का सही उपयोग करना और लगातार मेहनत करना भी जरूरी है। केवल किसी वस्तु को रखने से करियर में सफलता की गारंटी नहीं होती। वास्तु से जुड़े ये उपाय पारंपरिक मान्यताओं पर आधारित हैं। इनके वैज्ञानिक रूप से सफलता सुनिश्चित करने के प्रमाण उपलब्ध नहीं हैं।

चार मुखी रुद्राक्ष से बुद्धि वाणी और करियर निखारें

यूनिक समय, मथुरा। चार मुखी रुद्राक्ष को धार्मिक मान्यताओं में बुध ग्रह और भगवान ब्रह्मा से संबंधित माना जाता है। इसे बुद्धि, वाणी, अध्ययन, व्यापार और तर्क क्षमता से जोड़कर देखा जाता है। मान्यता है कि चार मुखी रुद्राक्ष धारण करने से एकाग्रता बढ़ाने और अपनी बात प्रभावी ढंग से रखने में सहायता मिल सकती है।

पढ़ाई में मन नहीं लगने या एकाग्रता की कमी महसूस होने पर चार मुखी रुद्राक्ष को घर के पूजा स्थान पर रखकर नियमित रूप से धूप दिखाने की परंपरा बताई गई है। विद्यार्थी इसे धारण भी कर सकते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार इससे स्मरण शक्ति और अध्ययन के प्रति रुचि बढ़ती है।

व्यापार में लगातार बाधाएं आने पर चार मुखी रुद्राक्ष की माला धारण करने का उपाय बताया जाता है। कारोबार में नकारात्मक प्रभाव दूर करने के लिए प्रतिष्ठान में भी इसे रखने की मान्यता है।

पढ़ाई और एकाग्रता के लिए अपनाएं यह उपाय

व्यापार और नौकरी में सफलता से भी जोड़ा जाता है

वहीं, बैठक या किसी महत्वपूर्ण चर्चा के दौरान चार मुखी रुद्राक्ष अपने पास रखने से आत्मविश्वास और संवाद क्षमता बेहतर होने की बात कही जाती है। लेखन, वकालत, अध्यापन और ऐसे कार्यों में भी इसे उपयोगी माना जाता है, जिनमें बुद्धि और वाणी का विशेष महत्व होता है। हालांकि रुद्राक्ष से जुड़े ये उपाय धार्मिक मान्यताओं पर आधारित हैं। सफलता के लिए मेहनत, कौशल, सही निर्णय और निरंतर प्रयास को सबसे अधिक महत्व देना चाहिए।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेषः कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिलेगी, आर्थिक लाभ संभव है। परिवार का सहयोग मिलेगा और पुराने प्रयास सफल होंगे।

वृषभः रुका धन वापस मिलने के योग हैं। व्यापार में लाभ होगा, खर्चों पर नियंत्रण रखें और महत्वपूर्ण निर्णय सोचकर लें।

मिथुनः दिन उत्साहपूर्ण रहेगा। नौकरी में प्रगति के अवसर मिलेंगे, मित्रों का सहयोग मिलेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

कर्कः मेहनत का अच्छा फल मिलेगा। पारिवारिक विवाद सुलझेंगे, स्वास्थ्य सामान्य रहेगा और धन संबंधी चिंता दूर होगी।

सिंहः पद–प्रतिष्ठा बढ़ेगी और महत्वपूर्ण निर्णय सफल होंगे। प्रेम संबंधों में मधुरता आएगी, परिवार में खुशी का वातावरण रहेगा।

कन्याः कार्यस्थल पर नई जिम्मेदारी मिलेगी। आय बढ़ेगी, पुराने काम पूरे होंगे।

तुलाः दिन शुभ रहेगा। व्यापारिक सौदा लाभ देगा, परिवार में खुशी आएगी और किसी प्रिय मित्र से मुलाकात होगी।

वृश्चिकः धन लाभ मिलने के योग हैं। नौकरी में सफलता मिलेगी, लाभदायक अवसर आएंगे और आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

धनुः भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। अधूरे काम पूरे होंगे, विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी और नई योजनाएं लाभदायक रहेंगी।

मकरः कार्यक्षेत्र में सावधानी बरतें। विरोधी सक्रिय रहेंगे, फिर भी समझदारी से लिए निर्णय आपको लाभ और सफलता दिलाएंगे।

कुंभः दिन बेहतर रहेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे, मित्र सहयोग करेंगे और परिवार में सुखद वातावरण बना रहेगा।

मीनः मानसिक शांति मिलेगी। मेहनत सफल होगी, लाभ के अवसर आएंगे और दांपत्य जीवन में प्रेम तथा सामंजस्य बढ़ेगा।

धन और पद मिलने पर कभी घमंड नहीं करना चाहिए

यूनिक समय, मथुरा। सावन में भगवान शिव की कथाओं को सुनने और पढ़ने की परंपरा है। शिव और कुबेर से जुड़ी एक कथा जीवन में विनम्रता का महत्व समझाती है। मान्यता के अनुसार कुबेर देव अपार धन–संपत्ति और पद मिलने के बाद अहंकार करने लगे थे। एक बार उन्होंने भगवान शिव को पूरे परिवार के साथ भोजन का निमंत्रण दिया। शिव ने स्वयं जाने के बजाय गणेश जी को भेजा। गणेश जी ने भोजन करना शुरू किया, लेकिन उनकी भूख शांत नहीं हुई। महल का पूरा भोजन समाप्त होने के बाद भी वे तृप्त नहीं हुए। परेशान कुबेर भगवान शिव के पास पहुंचे। शिव के समझाने पर उन्हें अपनी गलती का एहसास हुआ और उन्होंने क्षमा मांगकर अहंकार त्यागने का संकल्प लिया। कथा की सीख है कि धन और पद स्थायी नहीं होते। व्यक्ति का वास्तविक सम्मान उसके अच्छे व्यवहार, सेवा और विनम्रता से बनता है। सफलता मिलने पर दूसरों को छोटा समझने के बजाय जरूरतमंदों की सहायता करनी चाहिए।

पुत्रदा एकादशी पर संतान सुख के लिए करें यह विशेष उपाय

यूनिक समय, मथुरा। संतान सुख की कामना रखने वाले दंपतियों के लिए पुत्रदा एकादशी का दिन विशेष माना जाता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार इस दिन भगवान विष्णु और श्रीकृष्ण की पूजा करने से परिवार की सुख–शांति और संतान संबंधी मनोकामनाओं के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया जा सकता है। वर्ष 2026 में सावन पुत्रदा एकादशी का व्रत 23 अगस्त को रखा जाएगा।

पुत्रदा एकादशी पर भगवान विष्णु की पूजा के बाद संतान गोपाल मंत्र का जाप करने की परंपरा है। मंत्र है– "ॐ देवकीसुत गोविंद वासुदेव जगत्पते। देहि मे तनयं कृष्ण त्वामहं शरणं गतः॥"

श्रीकृष्ण के संतान गोपाल मंत्र का करें श्रद्धापूर्वक जाप

पति–पत्नी साथ पूजा कर मांगें संतान सुख का आशीर्वाद

धार्मिक मान्यता के अनुसार पति–पत्नी साथ बैठकर पांच, सात या 11 बार मंत्र का जाप कर सकते हैं।

पूजा के दौरान बाल गोपाल को तुलसी दल, मक्खन–मिश्री, फल और मिठाई का भोग लगाने की परंपरा है। इसके बाद संतान के सुख, स्वास्थ्य और परिवार की खुशहाली की कामना की जाती है। ये उपाय धार्मिक मान्यताओं पर आधारित हैं। संतान संबंधी स्वास्थ्य या प्रजनन समस्या होने पर चिकित्सक की सलाह लेना आवश्यक है।

त्रिकूट पर्वत की गुफा में विराजते हैं त्रिकुटेश्वर महादेव, प्रकृति करती है जलाभिषेक

यूनिक समय, मथुरा। झारखंड के देवघर से करीब 20 किलोमीटर दूर स्थित त्रिकूट पर्वत धार्मिक आस्था और प्राकृतिक सौंदर्य का अनूठा संगम है। तीन चोटियों वाले इस पर्वत को स्थानीय परंपरा में ब्रह्मा, विष्णु और महेश का प्रतीक माना जाता है। यहां प्राकृतिक गुफा में विराजमान त्रिकुटेश्वर महादेव श्रद्धालुओं के विशेष आकर्षण का केंद्र हैं।

गुफा के भीतर स्थापित शिवलिंग पर चट्टानों से लगातार पानी की बूंदें गिरती रहती हैं। श्रद्धालु इसे भगवान शिव का प्राकृतिक जलाभिषेक मानते हैं। गुफा

के शांत वातावरण में पानी की बूंदों की आवाज और प्राकृतिक शिलाओं का दृश्य भक्तों को आध्यात्मिक अनुभूति कराता है। स्थानीय मान्यता के अनुसार, लंकापति रावण ने त्रिकूट पर्वत पर भगवान शिव की घोर आराधना और तपस्या की थी। त्रिकुटेश्वरनाथ मंदिर से भी रावण की शिवभक्ति की कथाएं जुड़ी हैं। हालांकि इन मान्यताओं के ऐतिहासिक प्रमाण अलग विषय हैं, लेकिन स्थानीय धार्मिक परंपरा में इनका विशेष महत्व है। त्रिकूट पर्वत की प्राकृतिक चट्टानें और धार्मिक स्थल पर्यटकों को भी आकर्षित करते हैं। यहां रोपवे के माध्यम से ऊंचाई तक पहुंचने की सुविधा है, जहां से आसपास के जंगल और प्राकृतिक दृश्य दिखाई देते हैं। श्रद्धालुओं और पर्यटकों की बढ़ती संख्या के बीच पर्वत की गुफाओं, जलस्त्रोतों और वन क्षेत्र का संरक्षण भी जरूरी है। त्रिकूट की पहचान आज धर्म, लोकविश्वास और प्रकृति के सुंदर मेल के रूप में बनी हुई है।

यहां रावण ने की थी भगवान शिव की आराधना

पर्वत की प्राकृतिक संपदा को सुरक्षित रखा

पर्यटन के लिहाज से बेहद लोकप्रिय है त्रिकूट पर्वत

सम्पादकीय

आस्था के दरबार में पैसे की बढ़ती दखलअंदाजी

भगवान के दरबार में भक्त खाली हाथ जाता है, लेकिन लगता है कि कुछ लोगों ने वहां भी सुविधा शुल्क की नई परंपरा खोज ली है। अयोध्या में रामलला के दर्शन के नाम पर कथित सौदेबाजी का जो मामला सामने आया है, वह केवल व्यवस्था पर सवाल नहीं है, बल्कि हमारी उस मानसिकता का आईना भी है, जिसमें पैसे के दम पर हर कतार छोटी और हर दरवाजा बड़ा हो जाता है। दर्शन निशुल्क हैं, लेकिन अगर जेब थोड़ी भारी हो तो रास्ता कथित तौर पर और भी सुगम हो जाता है। यानी भक्ति अपनी जगह और 'भुगतान' अपनी जगह!

पवन गौतम
संपादक

जांच में सामने आए दावों के मुताबिक कहीं हजारों रुपये लेकर विशिष्ट दर्शन कराने का भरोसा दिया गया, कहीं पुजारी के माध्यम से रास्ता आसान करने की बात हुई और कहीं निर्धारित समय में स्थान उपलब्ध न होने के बावजूद प्रवेश कराने का दावा किया गया। इतना ही नहीं, प्रतिबंधित क्षेत्र में तस्वीर और रील बनवाने जैसी कथित सुविधाएं भी उपलब्ध बताई गईं। लगता है अब दर्शन के साथ 'यादगार सामग्री' भी पैकेज में मिलने लगी है।

विडंबना यह है कि जिस रामलला के सामने राजा और रंक की समानता की कल्पना की जाती है, उसी दरबार के बाहर यदि कोई व्यक्ति पैसे देकर कतार से आगे निकल जाए तो यह केवल नियम का उल्लंघन नहीं, आस्था का भी अपमान है। भगवान को शायद इससे फर्क न पड़े कि कौन कितनी देर में पहुंचा, लेकिन व्यवस्था संभालने वालों को जरूर फर्क पड़ना चाहिए।

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

मथुरा–वृंदावन के लिए यह मामला और भी बड़ा सबक है। ब्रज में सालभर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ता है। बांके बिहारी, द्वारिकाधीश, गोवर्धन और अन्य मंदिरों में पर्वों पर भीड़ कई गुना बढ़ जाती है। यदि यहां भी दर्शन व्यवस्था में दलालों की सेंध लगी तो कल भक्तों को भगवान से पहले 'व्यवस्था कराने वाले' खोजने पड़ेंगे। फिर श्रद्धा कतार में खड़ी होगी और सुविधा रुपये गिनती नजर आएगी।

जरूरत सख्त निगरानी की है। यदि आरोप सही हैं तो केवल बिचौलियों पर कार्रवाई काफी नहीं होगी। व्यवस्था के भीतर मिलीभगत करने वालों की भी जवाबदेही तय होनी चाहिए। मंदिरों में दर्शन सुविधा का आधार पैसा, पहचान या पहुंच नहीं, बल्कि पारदर्शी व्यवस्था होनी चाहिए।

भगवान के दरबार में भक्तों के बीच भेदभाव जितना कम होगा, व्यवस्था उतनी ही पवित्र दिखेगी। वरना वह दिन दूर नहीं जब लोग मजाक में कहेंगे–भक्ति मुफ्त है, बस दर्शन कराने का शुल्क अलग है!

नजरिया

महाराष्ट्र में चला हंटर, यूपी में कब जागेगा भोजन का पहरेदार?

बोध प्रकाश सगुणी

महाराष्ट्र में इन दिनों खाद्य सुरक्षा विभाग के छापों की चर्चा है। रसोई से लेकर विद्यालय की कैंटीन तक सरकारी नजर पहुंच रही है। कहीं खाद्य प्रतिष्ठानों के लाइसेंस निलंबित हो रहे हैं, कहीं प्रतिबंधित तंबाकू उत्पादों पर कार्रवाई हो रही है और कहीं बच्चों की थाली से चिप्स, चॉकलेट तथा गैस वाले पेय पदार्थ बाहर किए जा रहे हैं। इस पूरी मुहिम के केंद्र में खाद्य एवं औषधि प्रशासन के आयुक्त तुकाराम मुंडे हैं, जिनकी सख्ती ने उन्हें फिर से चर्चा में ला दिया है। उनके नाम के साथ 'सिंघम' का तमगा जुड़ा है तो कार्रवाई भी उसी अंदाज में दिखाई दे रही है।

अब जरा उत्तर प्रदेश की ओर आइए। यहां भी खाने–पीने की चीजों की कमी नहीं है, बल्कि मिलावट की खबरों की कमी नहीं है। दूध से लेकर मावा, पनीर से लेकर मिठाई, मसालों से लेकर तेल और आटे तक जांच के नाम पर विभागीय मशीनरी सक्रिय रहती है। नमूने भी लिए जाते हैं, प्रयोगशालाओं में भेजे भी जाते हैं और रिपोर्ट आने के बाद मुकदमे भी दर्ज होते हैं। लेकिन सवाल वही पुराना है–क्या मिलावटखोरों के मन में वास्तव में डर पैदा हुआ?

महाराष्ट्र की कार्रवाई का सबसे दिलचस्प पहलू यह है कि वहां सिर्फ सड़क किनारे की छोटी दुकान नहीं देखी जा रही, बड़े नाम भी जांच की जद में आ रहे हैं। यानी खाद्य सुरक्षा का डंडा यह नहीं पूछ रहा कि दुकान कितनी बड़ी है, ग्राहक कितने आते हैं और प्रतिष्ठान का नाम कितना चमकदार है। नियम टूटे हैं तो कार्रवाई होगी। यही वह बात है जो उत्तर प्रदेश के लिए भी सबसे बड़ा सबक हो सकती है।

हमारे यहां अक्सर जांच का दृश्य बड़ा दिलचस्प होता है। अधिकारी पहुंचते हैं, नमूना भरते हैं, कागज बनता है, कैमरा चमकता है और फिर मामला फाइल में चला जाता है। उधर मिलावट का कारोबार अपनी गति से चलता रहता है। मिठाई की दुकान पर छापा पड़ने के बाद भी अगले त्योहार पर वही दुकान सज–धजकर तैयार मिलती है। सवाल यह नहीं कि नमूने कितने भरे गए, सवाल यह है कि दोष सिद्ध होने के बाद कितनों की दुकान सचमुच बंद हुई?

महाराष्ट्र में रेफ्रिजरेटर के तापमान तक की जांच हो रही है। उपकरणों का सही ढंग से काम करना, खाद्य सामग्री की स्वच्छता, कीटों की मौजूदगी, कचरे का निस्तारण, कर्मचारियों की साफ–सफाई और भोजन तैयार करने की जगह तक पर निगाह है। यह व्यवस्था हमें बताती है कि खाद्य सुरक्षा केवल मिलावट पकड़ने का नाम नहीं है। भोजन की पूरी यात्रा सुरक्षित होनी चाहिए–भंडारण से लेकर पकाने और ग्राहक की थाली तक।

उत्तर प्रदेश में यह सोच और मजबूत करने की जरूरत है। ब्रज की बात करें तो मथुरा–वृंदावन में रोजाना हजारों श्रद्धालु आते हैं। धार्मिक नगरी में प्रसाद, पेड़ा, दूध, मावा, दही, लस्सी और अन्य खाद्य पदार्थों की खपत बहुत बड़ी है। ऐसे में यहां खाद्य सुरक्षा केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं, बल्कि धार्मिक पर्यटन की प्रतिष्ठा से भी जुड़ा है। बाहर से आया श्रद्धालु यदि प्रसाद लेकर बीमार पड़ जाए तो उसके लिए विभागीय कार्रवाई की खबर नहीं, अपना अनुभव महत्वपूर्ण होगा।

मजेदार बात यह है कि हम स्वच्छता का उपदेश सबसे ज्यादा देते हैं और उसे लागू करने में सबसे ज्यादा हिचकते हैं। सड़क किनारे खुले में खाद्य सामग्री रखी है, मक्खियां मंडरा रही हैं, तेल बार–बार इस्तेमाल हो रहा है, पानी की शुद्धता संदिग्ध है, फिर भी ग्राहक पूछता है–'भैया, थोड़ा और चटपटा बनाना।' दुकानदार मुस्कुराकर कहता है–'चिंता मत करो, सब बढ़िया है।' ग्राहक खा लेता है और अगले दिन पेट कहता है–'बढ़िया तो बिल्कुल नहीं था!'

विद्यालयों की कैंटीन पर महाराष्ट्र की कार्रवाई तो और भी महत्वपूर्ण है। बच्चों को जंक खाद्य से दूर रखने का प्रयास केवल दुकान बंद कराने का मामला नहीं है। यह आने वाली पीढ़ी की खान–पान की आदतों से जुड़ा विषय है। उत्तर प्रदेश के विद्यालयों में भी कैंटीन और आसपास बिकने वाले अत्यधिक नमक, चीनी और वसा वाले खाद्य पदार्थों पर गंभीर निगरानी जरूरी है। बच्चे के हाथ में पढ़ाई की किताब होनी चाहिए, ऐसी खाद्य सामग्री नहीं जिसकी सूची देखकर चिकित्सक भी सिर पकड़ ले।

तुकाराम मुंडे की कहानी का दूसरा पक्ष भी है। उनकी छवि सख्त अधिकारी की है और तबादलों की लंबी सूची उनके प्रशासनिक जीवन का हिस्सा रही है। समर्थक इसे नियमों से समझौता न करने की पहचान मानते हैं, आलोचक इसे अत्यधिक कठोर शैली कहते हैं। लेकिन एक बात निर्विवाद है–सख्ती तभी प्रभावी होती है जब वह समान रूप से लागू हो।

उत्तर प्रदेश को किसी 'सिंघम' की तलाश करने से पहले व्यवस्था में ही हंटर पैदा करना होगा। ऐसा हंटर जो बड़े प्रतिष्ठान और छोटी दुकान के बीच फर्क न करे, जो नमूना भरने से आगे बढ़कर परिणाम तक पहुंचे और जो कागजी कार्रवाई को कार्रवाई का अंतिम पड़ाव न माने।

महाराष्ट्र का संदेश साफ है–खाने की थाली तक पहुंचने वाला भ्रष्टाचार छोटा अपराध नहीं। यूपी में भी अगर यह संदेश जोर से पहुंच गया तो मिलावटखोरों की रसोई में पहली बार नमक कम और पसीना ज्यादा आएगा। आखिर जनता को 'स्वच्छ भारत' के साथ 'स्वच्छ भोजन' भी चाहिए। वरना हालत यह रहेगी कि थाली देखकर मुंह में पानी आएगा और खाने के बाद अस्पताल की पर्ची देखकर आंखों में पानी।

विचार विंडो

एनआरसी से पहले जनगणना पर क्यों भड़का मणिपुर?

नीरज कुमार दुबे

मणिपुर में 'नो एनआरसी, नो जनगणना' का आंदोलन अब केवल एक विरोध नारा नहीं रह गया है। तीन साल से अधिक समय से जातीय हिंसा, विस्थापन और सामाजिक अविश्वास से जूझ रहे राज्य में वर्ष 2027 की जनगणना से पहले राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर लागू करने की मांग ने नया राजनीतिक तनाव पैदा कर दिया है। बंद, प्रदर्शन, सड़क जाम और सरकारी गतिविधियों के बहिष्कार की चेतावनियां बताती हैं कि मामला केवल प्रशासनिक प्रक्रिया का नहीं, बल्कि पहचान, नागरिकता और भविष्य की राजनीतिक संरचना से जुड़ा हुआ है।

आंदोलन के पीछे सबसे बड़ी चिंता उन हजारों लोगों की है, जो हिंसा के कारण अपने मूल घरों से विस्थापित होकर राहत शिविरों या दूसरे इलाकों में रह रहे हैं। यदि जनगणना के दौरान किसी परिवार की वर्तमान जगह को ही उसकी आबादी का स्थायी आधार माना जाता है, तो राज्य की वास्तविक जनसंख्या संरचना को लेकर सवाल उठ सकते हैं। आंदोलनकारी संगठनों को आशंका है कि हिंसा से बदले अस्थायी भूगोल को भविष्य के लिए स्थायी जनसांख्यिकीय तस्वीर मान लिया जाएगा।

यह सवाल इसलिए भी गंभीर है क्योंकि जनगणना महज लोगों की गिनती नहीं होती। उसके आंकड़ों का इस्तेमाल विकास योजनाओं, सरकारी संसाधनों के वितरण, परिसीमन, आरक्षण और राजनीतिक प्रतिनिधित्व जैसे महत्वपूर्ण फैसलों में किया जाता है। इसलिए मणिपुर में यह चिंता समझी जा सकती है कि लंबे समय से विस्थापन झेल रहे लोगों की वास्तविक स्थिति दर्ज किए बिना तैयार आंकड़े भविष्य में विवाद का कारण बन सकते हैं।

हालांकि यहां जनगणना और राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर के बीच अंतर समझना जरूरी है। जनगणना का उद्देश्य आबादी तथा उसकी सामाजिक–आर्थिक स्थिति से जुड़ी जानकारी जुटाना है, जबकि राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर नागरिकों की पहचान से संबंधित व्यवस्था है। मणिपुर में आंदोलनकारी संगठनों का तर्क है कि पहले नागरिकता से जुड़े सवाल स्पष्ट किए जाएं और उसके बाद जनगणना के आंकड़ों को भविष्य के प्रशासनिक और राजनीतिक फैसलों का आधार बनाया जाए। मणिपुर में राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर की मांग कोई नई बात नहीं है। राज्य में लंबे समय से इसे लेकर राजनीतिक और सामाजिक बहस चलती रही है। विधानसभा में इस संबंध में प्रस्ताव पारित किए जा चुके हैं और राज्य जनसंख्या आयोग का गठन भी इसी पृष्ठभूमि में हुआ। लेकिन असली विवाद उस वर्ष को लेकर है, जिसे मूल निवासी पहचानने का आधार बनाया जाए। कुछ संगठन 1951 को आधार बनाने की मांग करते हैं, जबकि राज्य स्तर पर 1961 को आधार मानने की बात सामने आई है। यही अंतर अब आंदोलन को अधिक राजनीतिक बना रहा है।

जनसंख्या में बदलाव की आशंका भी आंदोलन के प्रमुख कारणों में शामिल है। समर्थक पिछले दशकों की जनसंख्या वृद्धि के आंकड़ों का हवाला देकर इसकी विस्तृत जांच की मांग करते हैं। लेकिन इस मुद्दे पर सावधानी जरूरी है। जनसंख्या वृद्धि को सीधे अवैध प्रवास का प्रमाण मानना उचित नहीं होगा। किसी व्यक्ति की नागरिकता या निवास की स्थिति का निर्धारण प्रमाण, दस्तावेज और कानून के आधार पर होना चाहिए, न कि किसी समुदाय की पहचान के आधार पर।

म्यांमार सीमा से लगे होने के कारण अवैध प्रवास का मुद्दा मणिपुर की राजनीति में लंबे समय से संवेदनशील रहा है। दूसरी ओर कुकी–जो समुदायों के म्यांमार के चिन समुदायों से सामाजिक और जातीय संबंध हैं। इसलिए नागरिकता की बहस यदि पूरे समुदाय को संदेह की नजर से देखने लगेगी तो पहले से विभाजित समाज में अविश्वास और गहरा सकता है। सरकार के सामने चुनौती यही है कि सुरक्षा और नागरिकता के सवालों पर कठोरता के साथ संवैधानिक निष्पक्षता भी कायम रखी जाए। अब वर्ष 2027 की जनगणना इस पूरे विवाद का केंद्र बन गई है। घरों की सूची तैयार करने से लेकर आबादी और सामाजिक–आर्थिक जानकारी जुटाने तक कई चरणों में प्रक्रिया आगे बढ़नी है। इसी बीच कुछ क्षेत्रों में जनगणना प्रशिक्षण कार्यक्रमों को रोकना प्रशासन के लिए चिंता का विषय है। शिक्षण संस्थानों को बंद करने और सरकारी कार्यालयों के बहिष्कार की घोषणा से आंदोलन की व्यापकता का अंदाजा लगाया जा सकता है। इस आंदोलन में छात्रों और महिलाओं की भागीदारी भी महत्वपूर्ण है। बंद के दौरान कई इलाकों में प्रदर्शन हुए और सड़कें बाधित की गईं। सरकारी नीतियों के विरोध में नारेबाजी हुई और प्रशासन पर दबाव बढ़ा। आवश्यक सेवाओं को आंदोलन से अलग रखने की बात बताती है कि आयोजक इसे व्यापक जनसमर्थन वाला आंदोलन बनाए रखना चाहते हैं। ऐसे में सरकार के लिए केवल प्रशासनिक कार्रवाई पर्याप्त नहीं होगी। विभिन्न समुदायों और संगठनों का प्रतिनिधिमंडल दिल्ली जाकर केंद्र सरकार के सामने अपनी मांग रखने की तैयारी कर रहा है। केंद्र की भूमिका महत्वपूर्ण है, क्योंकि राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर और जनगणना व्यापक संवैधानिक और प्रशासनिक विषय हैं। लेकिन दिल्ली में ज्ञापन देना समस्या का अंतिम समाधान नहीं हो सकता। मणिपुर में जमीन पर ऐसा संवाद जरूरी है, जिसमें विस्थापित परिवारों, विभिन्न समुदायों, सामाजिक संगठनों और राजनीतिक प्रतिनिधियों को सुना जाए।

सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि जनगणना के दौरान विस्थापित परिवारों की वर्तमान और स्थायी स्थिति किस तरह दर्ज होगी। यदि इस संबंध में पारदर्शी व्यवस्था बनाई जाती है तो लोगों की आशंकाएं काफी हद तक कम हो सकती हैं। साथ ही नागरिकता से जुड़े किसी भी निर्णय में प्रमाण और कानून को सर्वोच्च आधार बनाया जाना चाहिए। बहरहाल, मणिपुर का 'नो एनआरसी, नो जनगणना' आंदोलन केवल जनगणना रोकने की मांग नहीं है। इसके पीछे विस्थापन, पहचान, भूमि अधिकार, नागरिकता और राजनीतिक प्रतिनिधित्व को लेकर गहरी आशंकाएं हैं। सरकार यदि इसे सिर्फ कानून–व्यवस्था की समस्या मानती है तो असंतोष और बढ़ सकता है। जरूरत इस बात की है कि सभी समुदायों को साथ लेकर तथ्य आधारित और संवैधानिक संवाद शुरू किया जाए। जनगणना लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए आवश्यक है, लेकिन उससे भी जरूरी है लोगों का उस प्रक्रिया पर विश्वास। मणिपुर में यह विश्वास तभी लौटेगा, जब विस्थापितों के अधिकार सुरक्षित हों, नागरिकता की जांच निष्पक्ष हो और किसी समुदाय को सामूहिक रूप से संदेह के घेरे में न रखा जाए। यही संतुलित रास्ता जनगणना को विश्वसनीय बनाने के साथ मणिपुर में लंबे समय से बनी अविश्वास की खाई को पाट सकता है।

ऑस्ट्रेलिया-बांग्लादेश के दूसरे टेस्ट मैच में गेंदबाजों का कहर

पहले दिन गिरे 18 विकेट

मिचेल स्टार्क और शोरिफुल इस्लाम ने मचाया धमाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच दूसरे टेस्ट के पहले दिन मैके के ग्रेट बैरियर रीफ एरिना में गेंदबाजों का दबदबा देखने को मिला और पूरे दिन में कुल 18 विकेट गिर गए। टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया, जिसे मिचेल स्टार्क ने पहली ही गेंद पर विकेट लेकर सही साबित कर दिया।

स्टार्क ने इसके बाद बांग्लादेशी बल्लेबाजों पर कहर बरपाते हुए सिर्फ 22 गेंदों में अपना पांच विकेट हॉल पूरा कर लिया। उन्होंने तंजिद हसन, नजमुल हुसैन शांतो, मोमिनुल हक और लिटन दास समेत कुल 6 बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा और बांग्लादेश की पहली पारी महज 64 रन पर समेट दी। बांग्लादेश के चार बल्लेबाज अपना खाता भी नहीं खोल सके। ऑस्ट्रेलिया की ओर से कप्तान पैट कमिंस ने 3 और जोश हेजलवुड ने 1 विकेट लिया। बांग्लादेश की ओर से 10वें विकेट के लिए तैजुल इस्लाम और शोरिफुल इस्लाम ने 25 रनों की साझेदारी की, लेकिन स्टार्क ने इस साझेदारी को तोड़कर पारी का अंत कर दिया। इसके बाद जब ऑस्ट्रेलिया बल्लेबाजी के लिए उतरी तो बांग्लादेश के तेज गेंदबाज शोरिफुल इस्लाम ने भी अपना जलवा दिखाया।

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के शीर्ष क्रम को लगातार झटके दिए और देखते ही देखते 6 विकेट अपने नाम कर लिए। हालांकि स्टीव स्मिथ और कैमरून ग्रीन ने कुछ देर पारी को संभाला। स्मिथ ने 42 रन बनाए, लेकिन उनके आउट होते ही ऑस्ट्रेलिया के विकेट फिर तेजी से गिरने लगे। ग्रीन ने एक छोर संभाले रखा और शानदार अर्धशतक पूरा किया। दिन का खेल खत्म होने तक ऑस्ट्रेलिया ने 8 विकेट खोकर 165 रन बना लिए थे। कैमरून ग्रीन 51 और नाथन लियोन 10 रन बनाकर नाबाद थे। इस तरह ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी के आधार पर 101 रनों की बढ़त मिल चुकी है। बांग्लादेश के लिए शोरिफुल इस्लाम के अलावा तस्कीन अहमद और मेहदी हसन मिराज ने एक-एक विकेट लिया। पहले दिन का खेल पूरी तरह तेज गेंदबाजों के नाम रहा और दोनों टीमों के एक-एक गेंदबाज ने 6-6 विकेट लेकर मुकाबले को बेहद रोमांचक बना दिया है। अब दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया की कोशिश अपनी बढ़त को और मजबूत करने की होगी, जबकि बांग्लादेश जल्द से जल्द बाकी विकेट लेकर मैच में वापसी करना चाहेगा।

'स्पिरिट' विवाद में दीपिका का इशारों में जवाब

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रभास की मचअवेटेड फिल्म 'स्पिरिट' को लेकर विवाद एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। फिल्म से करीब एक साल पहले बाहर हुईं दीपिका पादुकोण को लेकर संदीप रेड्डी वांगा के भाई प्रणय रेड्डी वांगा ने हाल ही में कई दावे किए थे। अब दीपिका ने सीधे तौर पर कोई बयान देने के बजाय एक सोशल मीडिया पोस्ट को लाइक कर इन दावों पर अपना रिएक्शन दिया है। दरअसल, पत्रकार जानवी मनचंदा ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें प्रणय रेड्डी वांगा के बयानों पर सवाल उठाए गए थे। पोस्ट में कहा गया कि पुरुष कलाकार लंबे समय से फिल्मों के प्रॉफिट में हिस्सा मांगते रहे हैं, लेकिन जब कोई महिला अपने काम की शर्तें रखती है तो इसे मुद्दा क्यों बनाया जाता है? पोस्ट में इसे 'मेल ईगो' से जोड़ते हुए कहा गया कि एक महिला की 'ना' को स्वीकार नहीं किया जा सका। दीपिका ने इस पोस्ट को लाइक किया, जिसके बाद इसे उनके दावों पर इशारों में जवाब माना जा रहा है। वहीं, प्रणय रेड्डी वांगा ने एनटीवी तेलुगु के साथ बातचीत में दावा किया था कि दीपिका ने 'स्पिरिट' के प्रॉफिट में 10 फीसदी हिस्सेदारी और 8 घंटे की शूटिंग शिफ्ट की मांग की थी। उनके मुताबिक फिल्म के बजट को देखते हुए यह डील संभव नहीं थी।

पूनम ढिल्लों अस्पताल में भर्ती, डेंगू की चपेट में आईं एक्ट्रेस

पहले से बेहतर है अब हालात

यूनिक समय, नई दिल्ली। दिग्गज अभिनेत्री और सिने एंड टीवी आर्टिस्ट्स एसोसिएशन (सिंटा) की प्रेसिडेंट पूनम ढिल्लों की तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें मुंबई के लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अभिनेत्री डेंगू की चपेट में आ गई हैं। यह खबर सामने आते ही उनके फैंस चिंता में पड़ गए और सोशल मीडिया पर उनके जल्द स्वस्थ होने की दुआएं करने लगे।

हालांकि, राहत की बात यह है कि अब पूनम ढिल्लों की हालत पहले से बेहतर बताई जा रही है और वह धीरे-धीरे रिकवर कर रही हैं। फिल्म पत्रकार विक्की लालवानी ने अपने लेटेस्ट पोस्ट में अभिनेत्री का हेल्थ अपडेट शेयर किया। उन्होंने बताया कि पूनम के अस्पताल में भर्ती होने की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने सुबह उन्हें मैसेज करके हाल पूछा था। इसके जवाब में अभिनेत्री ने बताया कि वह अब पहले से बेहतर हैं और रिकवरी कर रही हैं। इस अपडेट के बाद उनके फैंस ने भी राहत की सांस ली है। पूनम ढिल्लों की अस्पताल में भर्ती होने की खबर ऐसे समय सामने आई है, जब सिंटा के भीतर नेतृत्व को लेकर विवाद भी चर्चा में है। अगस्त में संगठन की कार्यकारी समिति के 11 सदस्यों ने इस्तीफा दे दिया था, जिनमें आठ निर्वाचित सदस्य शामिल थे। इस्तीफा देने वाले सदस्यों ने संगठन में पारदर्शिता और सामूहिक निर्णय प्रक्रिया को लेकर सवाल उठाते हुए नए चुनाव की मांग की थी। इसी बीच सिंटा की जनरल सेक्रेटरी उपासना सिंह ने पूनम ढिल्लों और वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद्मिनी कोल्हापुरे पर कथित तौर पर तानाशाही रवैया अपनाने के आरोप लगाए थे। उपासना ने दावा किया था कि संगठन में जो सदस्य पूनम की बात से सहमत नहीं होते, उन्हें शो-कॉज नोटिस भेजे जाते थे। हालांकि, पूनम ढिल्लों ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा था कि वह किसी भी तरह के कीचड़ उछालने वाले खेल में शामिल नहीं होना चाहतीं। बता दें कि पूनम ढिल्लों 'सोहनी महिवाल', 'ये वादा रहा' और 'नाम' जैसी फिल्मों में अपने शानदार अभिनय के लिए जानी जाती हैं। फिलहाल फैंस उनके जल्द पूरी तरह स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं।

बोलीं-जियो और जीने दो

करीना कपूर की तीसरी प्रेग्नेंसी की अफवाह पर भड़कीं ननद सबा

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान एक बार फिर अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसके एक एंगल को देखकर यूजर्स ने उनकी तीसरी प्रेग्नेंसी के कयास लगाने शुरू कर दिए। हालांकि, करीना की टीम ने इन खबरों को साफ तौर पर खारिज कर दिया है। अब उनकी ननद और सैफ अली खान की बहन सबा अली खान भी इस मामले में खुलकर सामने आई हैं और उन्होंने लोगों से बिना वजह अफवाहें फैलाने से बचने की अपील की है। दरअसल, शुक्रवार को करीना को मुंबई में जिम से बाहर निकलते हुए देखा गया। इस दौरान उनकी टीम का एक सदस्य छाते से उन्हें कैमरों से बचाने की कोशिश करता नजर आया। इसी वीडियो के एक एंगल ने सोशल मीडिया पर प्रेग्नेंसी की चर्चाओं को हवा दे दी। वीडियो वायरल होने के बाद करीना की टीम ने स्पष्ट किया कि एक्ट्रेस प्रेग्नेंट नहीं हैं। इसके बाद सबा अली खान ने भी अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर वही वीडियो शेयर किया और अफवाहों पर नाराजगी जताई। सबा ने लिखा कि गलत एंगल से ली गई तस्वीर या खराब हेयरस्टाइल की वजह से कोई अलग दिख सकता है, लेकिन लोग तुरंत किसी नतीजे पर क्यों पहुंच जाते हैं? उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि वह खुद करीना को एक और बच्चा करने के लिए मनाती रहती हैं और काश यह बात सच होती, लेकिन ऐसा कहने पर करीना उनकी जान ले लेंगी। सबा ने आखिर में लोगों से कहा, "खुद भी जियो और दूसरों को भी जीने दो।" उन्होंने यह भी याद दिलाया कि कुछ बातें निजी ही रहने देना बेहतर है। बता दें कि करीना और सैफ ने 2012 में शादी की थी। दोनों के दो बेटे तैमूर और जहांगीर हैं।

लुसाने डायमंड लीग में नीरज चोपड़ा का जलवा

सीजन का बेस्ट थ्रो कर दूसरे स्थान पर रहे

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारतीय स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने लुसाने डायमंड लीग 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया। कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 के बाद यह नीरज का पहला बड़ा मुकाबला था, इसलिए सभी की नजरें उन पर टिकी थीं। नीरज ने प्रतियोगिता में अपने सीजन का बेस्ट थ्रो 88.05 मीटर फेंका और एक समय पहले स्थान पर भी पहुंच गए, लेकिन श्रीलंका के रुमेश थरंगा पथिरगे ने उनसे महज 8 सेंटीमीटर बेहतर थ्रो करते हुए बाजी अपने नाम कर ली। नीरज ने पहले राउंड में 83.54 मीटर का थ्रो किया और शुरुआत से ही दूसरे स्थान पर बने रहे। वहीं रुमेश ने 85.99 मीटर का थ्रो कर बढ़त बनाई। दूसरे राउंड में नीरज ने जबरदस्त सुधार करते हुए 88.05 मीटर का थ्रो किया और कुछ समय के लिए पहले स्थान पर पहुंच गए। यह इस सीजन में उनका सबसे लंबा थ्रो रहा। इससे पहले कॉमनवेल्थ गेम्स में उन्होंने 85.83 मीटर का थ्रो किया था। हालांकि, तीसरे राउंड में रुमेश ने 88.14 मीटर का थ्रो कर नीरज को पीछे छोड़ दिया। खास बात यह रही कि दोनों के थ्रो में सिर्फ 8 सेंटीमीटर का अंतर था। तीसरे राउंड में नीरज का थ्रो 83.72 मीटर रहा। इसके बाद चौथे राउंड में नीरज का प्रयास फाउल हो गया, जबकि पांचवें राउंड में उन्होंने थ्रो नहीं करने का फैसला किया। इस वजह से उनकी फिटनेस को लेकर फैंस की चिंता बढ़ गई, लेकिन आखिरी राउंड में नीरज ने शानदार वापसी करते हुए 86.69 मीटर का थ्रो किया और दूसरे स्थान पर अपना अभियान खत्म किया। शानदार वापसी से बढ़ा आत्मविश्वास लुसाने में नीरज का प्रदर्शन इसलिए भी खास रहा क्योंकि उन्होंने सीजन का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। 88.05 मीटर का थ्रो उनकी लय में वापसी का बड़ा संकेत माना जा रहा है। वहीं रुमेश पथिरगे ने 88.14 मीटर के थ्रो के साथ पहला स्थान हासिल किया। नीरज भले ही खिताब से चूक गए, लेकिन उनका प्रदर्शन भारतीय फैंस के लिए बड़ी राहत और आगामी प्रतियोगिताओं के लिए उम्मीद जगाने वाला रहा।

चंदौली में कुएं ने लील ली तीन जिंदगियां

जहरीली गैस की चपेट में आने से मचा गांव में कोहराम

किड़हिरा गांव में समरसेबल निकालने उतरे चार लोग बेहोश हुए

पुलिस और ग्रामीणों ने संभाला बचाव अभियान

यूनिक समय, चंदौली। शहाबगंज थाना क्षेत्र के किड़हिरा गांव में शनिवार को कुएं के अंदर समरसेबल पंप निकालने का प्रयास तीन परिवारों के लिए मातम लेकर आया।

बंद कुएं में उतरे चार लोग अचानक जहरीली गैस की चपेट में आकर बेहोश हो गए। ग्रामीणों ने काफी मशक्कत के बाद सभी को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया। हादसे में बचा एक युवक गंभीर हालत में उपचाराधीन है।

जानकारी के अनुसार, गांव में एक कुएं के अंदर समरसेबल पंप खराब हो गया था।

उसे बाहर निकालने के लिए पहले एक व्यक्ति कुएं में उतरा। काफी देर तक उसके बाहर नहीं आने पर अन्य लोग भी एक-एक कर अंदर चले गए। कुएं के भीतर पहुंचते ही जहरीली गैस का असर होने लगा और चारों लोग अचेत होकर गिर पड़े। बाहर मौजूद लोगों को जब कोई हलचल या आवाज सुनाई नहीं दी तो उन्होंने शोर मचाकर आसपास के ग्रामीणों को बुलाया।

सूचना मिलते ही शहाबगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की सहायता से राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। काफी प्रयास के बाद चारों लोगों को कुएं से बाहर निकाला गया। हादसे में जमाल, तौकीर आलम और वारिस अली की मौत हो गई। वहीं समशेर को गंभीर हालत में पहले स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से चिकित्सकों ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

प्रथम दृष्टया पुलिस को आशंका है कि लंबे समय से बंद कुएं में जहरीली गैस जमा होने के कारण यह हादसा हुआ। गैस के कारण दम घुटने से चारों लोग बेहोश हुए और तीन की जान चली गई।

पुलिस ने मृतकों के शव कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। घटना की जांच की जा रही है। हादसे के बाद गांव में मातम पसरा है और मृतकों के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

यूपी में चीनी पर्याप्त, जमाखोरों पर योगी सख्त

गोदामों के सत्यापन के निर्देश कालाबाजारी पर होगी कार्रवाई

प्रदेश में लाखों कुंतल चीनी का पर्याप्त भंडार उपलब्ध

डीएम कराएंगे गोदामों का भौतिक सत्यापन

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में चीनी की उपलब्धता को लेकर चल रही चर्चाओं के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि प्रदेश में चीनी की कोई कमी नहीं है। उन्होंने आमजन से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील करते हुए जमाखोरी और कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि प्रदेश की चीनी मिलों में कुल 179.38 लाख कुंतल चीनी का भंडार उपलब्ध है। इसमें सहकारी मिलों में 23.60 लाख कुंतल, निगम की मिलों में 5.28 लाख कुंतल और निजी मिलों में 150.50 लाख कुंतल चीनी शामिल है। जून और जुलाई में मिलों से करीब 235 लाख कुंतल चीनी की बिक्री भी हुई है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बाजार में चीनी की आपूर्ति और कीमतों पर लगातार नजर रखी जाए। आवश्यकता पड़ने पर चीनी मिलों का संचालन 15 अक्तूबर से शुरू करने की तैयारी रखने को कहा गया है, ताकि बाजार में किसी तरह का संकट पैदा न हो।

मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को अपने-अपने जिलों में चीनी मिलों, थोक कारोबारियों और फुटकर विक्रेताओं के गोदामों का भौतिक सत्यापन कराने के निर्देश दिए। अधिकारियों से वास्तविक स्टॉक की रिपोर्ट लेने और निर्धारित सीमा से अधिक भंडारण मिलने पर कार्रवाई करने को कहा गया है।

सरकार के अनुसार किसी डीलर को 30 दिन से अधिक का स्टॉक रखने की अनुमति नहीं होगी। एक समय में 400 टन से ज्यादा चीनी रखने पर भी रोक है। बड़े उपभोक्ताओं के लिए भी भंडारण की सीमा तय की गई है। बैठक में बताया गया कि अगले पेराई सत्र में प्रदेश में करीब 28.14 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में गन्ने की खेती संभावित है। इससे लगभग 90 लाख टन चीनी उत्पादन का अनुमान है। वहीं पिछले पेराई सत्र में 48 लाख किसानों को 32,554 करोड़ रुपये से अधिक का गन्ना मूल्य भुगतान किया गया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसी भी जिले में कालाबाजारी या अनुचित मूल्य वृद्धि की सूचना मिलने पर तत्काल कार्रवाई की जाए।

एसएन मेडिकल कॉलेज में बच्चे की मौत पर सपाइयों का प्रदर्शन

प्लास्टर गिरने के बाद बिगड़ी थी बच्चे की हालत

यूनिक समय, आगरा। एसएन मेडिकल कॉलेज में 10 वर्षीय उमैर की मौत के मामले को लेकर शनिवार को समाजवादी पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। महानगर अध्यक्ष शब्बीर अब्बास के नेतृत्व में कार्यकर्ता प्राचार्य कार्यालय पहुंचे और कॉलेज प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी की। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि बच्चे की मौत के बाद प्रबंधन ने खुद को बचाने के लिए जल्दबाजी में रिपोर्ट तैयार की।

पुलिस ने प्रदर्शन की सूचना पर प्राचार्य कार्यालय के बाहर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी थी। कार्यकर्ताओं को गेट पर रोकने के दौरान पुलिस और सपा नेताओं के बीच तीखी बहस हुई। बाद में प्राचार्य डॉ. प्रशांत गुप्ता ने शब्बीर अब्बास समेत कुछ नेताओं से मुलाकात की और उन्हें बच्चे की मेडिकल रिपोर्ट दिखाई। सपा नेताओं के अनुसार, शुक्रवार को आपातकालीन बच्चा वार्ड में भर्ती उमैर के सिर पर छत का प्लास्टर गिर गया था। इसके कुछ घंटे बाद उसकी मौत हो गई। वहीं कॉलेज प्रबंधन ने मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर मौत की वजह गंभीर बीमारी बताई है। प्रदर्शन के बाद नेताओं ने प्राचार्य को ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। पुलिस की मौजूदगी में प्रदर्शन समाप्त हुआ।

सपा नेताओं की पिटाई पर आठ पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

नए एसएसपी ने तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए

मेरठ। सपा नेताओं की कथित पिटाई और अमानवीय व्यवहार के आरोपों के बाद मेरठ पुलिस में बड़ी कार्रवाई हुई है। नए एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति ने कार्यभार संभालने के बाद इंस्पेक्टर समेत आठ पुलिसकर्मियों को लाइन हाजिर कर दिया। मामले की जांच सहारनपुर के डीआईजी अभिषेक सिंह को सौंपी गई है। सपा नेता दिग्विजय भाटी और मोहित जाटव ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए थे। दिग्विजय ने दावा किया कि उन्हें और मोहित को हिरासत में लेकर मारपीट की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मियों ने मोबाइल पर गाना बजाकर जबरन नचाया और विरोध करने पर पिटाई की। उन्होंने पूर्व एसएसपी अविनाश पांडेय पर भी गंभीर आरोप लगाए। मामला सामने आने के बाद शासन ने पूर्व एसएसपी अविनाश पांडेय को हटाकर पुलिस मुख्यालय से संबद्ध कर दिया था। इसके बाद नए एसएसपी ने पुलिसकर्मियों पर कार्रवाई की। लाइन हाजिर किए गए पुलिसकर्मियों में सिविल लाइंस थाना प्रभारी अखिलेश गौड़ भी शामिल हैं। मेरठ पुलिस ने पहले नेताओं के आरोपों को निराधार बताते हुए कहा था कि दोनों के खिलाफ कई मुकदमे दर्ज हैं।

फ्लेक्स गोदाम में शॉर्ट सर्किट से भड़की आग

यूनिक समय, आगरा। संजय प्लेस स्थित फ्रेंड्स टावर के बेसमेंट में शनिवार सुबह फ्लेक्स के गोदाम में आग लगने से अफरातफरी मच गई। बेसमेंट से धुआं उठता देखकर लोगों ने गोदाम संचालक को सूचना दी।

इसके बाद संजय प्लेस अग्निशमन केंद्र से दमकल की तीन गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। बेसमेंट में घना धुआं भरा होने के कारण आग बुझाने में दमकलकर्मियों को काफी परेशानी हुई। टीम ने ऑक्सीजन मास्क लगाकर अंदर प्रवेश किया और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। प्रारंभिक जांच में आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है।

समय रहते आग बुझी, टला बड़ा हादसा आग बेसमेंट तक सीमित रहने से आसपास की दुकानों को नुकसान नहीं पहुंचा। हालांकि गोदाम में रखा फ्लेक्स और अन्य सामान जलने से लाखों रुपये के नुकसान की आशंका है।

प्रेमी के साथ मिलकर बेटी ने पिता को उतारा मौत के घाट

यूनिक समय, बस्ती। उत्तर प्रदेश के बस्ती से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 17 वर्षीय नाबालिग बेटी पर अपने प्रेमी के साथ मिलकर पिता की हत्या करने का आरोप लगा है। पुलिस के मुताबिक, पिता बेटी के प्रेम संबंध का विरोध करते थे और इसी रोक-टोक से नाराज होकर कथित तौर पर दोनों ने यह खौफनाक कदम उठाया। मामला छावनी थाना क्षेत्र के रमवापुर गांव का है। मृतक की पहचान 52 वर्षीय कृष्णा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, उनकी बेटी दुर्गा उर्फ लाडली का पड़ोसी गांव बभनौली निवासी लक्ष्मण से करीब दो साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। कृष्णा इस रिश्ते के खिलाफ थे और उन्होंने बेटी को समझाया भी था।बताया जा रहा है कि 21 अगस्त को दुर्गा अपने प्रेमी से मिलने गन्ने के खेत में गई थी। इसी दौरान कृष्णा वहां पहुंच गए और दोनों को साथ देखकर विरोध किया। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर कृष्णा ने लक्ष्मण पर लग्गी से हमला किया। इसके बाद दोनों ने कथित तौर पर कृष्णा पर हसिया लगी लग्गी से कई वार कर दिए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

गोरखपुर में विवाहिता ने ससुराल पक्ष पर लगाए गंभीर आरोप

नशीला पदार्थ देकर वीडियो बनाने का महिला ने लगाया आरोप

ब्लैकमेल कर शादी और उत्पीड़न का भी किया दावा

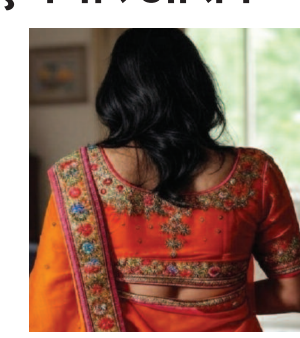

यूनिक समय, गोरखपुर। गुलरिहा थाना क्षेत्र की 28 वर्षीय विवाहिता ने पति, देवर और ससुराल पक्ष के पांच अन्य लोगों पर गंभीर आरोप लगाते हुए मुकदमा दर्ज कराया है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने 21 अगस्त की शाम सात लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

महिला का आरोप है कि वर्ष 2022 में उसकी मां की मौत के बाद वह घर पर अकेली रहती थी। पड़ोस की एक महिला के घर आने-जाने के दौरान उसे नशीला पदार्थ मिला पेय पिलाया गया। आरोप है कि बेहोशी की हालत में उसके साथ गलत कृत्य किया गया और उसका वीडियो बना लिया गया। बाद में वीडियो के जरिये उसे कथित तौर पर धमकाया गया और शादी के लिए दबाव बनाया गया।

शादी के बाद देवर पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया महिला के अनुसार, 8 जून 2026 को मंदिर में उसकी शादी आरोपी युवक से कराई गई। उसका आरोप है कि शादी के बाद देवर उसके साथ गलत व्यवहार करने लगा। शिकायत करने पर पति और सास ने भी उसका साथ नहीं दिया। महिला ने गर्भवती होने पर जबरन दवा देकर गर्भपात कराने का आरोप भी लगाया है।

थाना प्रभारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। सभी आरोपों की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

घबराहट में बदल रहे पीडीए की परिभाषा:अखिलेश यादव

पीडीए पर सियासी संग्राम, योगी के बयान पर अखिलेश पलटे

योगी ने सपा पर पाकिस्तान से जोड़ने का आरोप लगाया

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में समाजवादी पार्टी के पीडीए को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। मुख्यमंत्री के पीडीए में 'पी' को पाकिस्तान से जोड़ने वाले बयान पर अखिलेश यादव ने पलटवार करते हुए इसे सत्ता पक्ष की घबराहट करार दिया।

अखिलेश यादव ने कहा कि एकरंगी सोच रखने वाले लोग पीडीए की विविधता को नहीं समझ सकते। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि विरोध बढ़ने के साथ पीडीए और मजबूत होगा। अखिलेश ने पीडीए का नया अर्थ बताते हुए इसे प्रेम, दया और अपनापन बताया। साथ ही उन्होंने भाजपा सरकार पर सत्ता के दुरुपयोग और विपक्ष के उत्पीड़न का आरोप लगाया। सपा अध्यक्ष ने सरकार पर भ्रष्टाचार और सरकारी बजट के दुरुपयोग जैसे गंभीर आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर वर्गों के साथ अन्याय किया जा रहा है और सरकार को इन मुद्दों पर जवाब देना चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सपा पर निशाना साधते हुए कहा था कि पार्टी लगातार अपने रंग बदलती है। उन्होंने तंज किया कि पीडीए का 'पी' एक दिन पाकिस्तान कर दिया जाएगा। योगी ने सपा के बयानों पर सवाल उठाते हुए उसके राजनीतिक रुख को भी कठघरे में खड़ा किया।

पीडीए को लेकर दोनों नेताओं के बीच बढ़ती बयानबाजी ने उत्तर प्रदेश की सियासत को और गरमा दिया है। आगामी राजनीतिक मुकाबले के बीच यह मुद्दा दोनों दलों के लिए अहम माना जा रहा है।

अल नीनो की आहट से कमजोर मानसून ने बढ़ाई चिंता

यूनिक समय, नई दिल्ली। प्रशांत महासागर में विकसित हो रही अल नीनो की स्थिति ने भारत के मानसून को लेकर चिंता बढ़ा दी है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार 2026 में अल नीनो के मजबूत होने की संभावना है और इसका असर अगले वर्ष तक दिखाई दे सकता है। हालांकि इसकी अंतिम तीव्रता को लेकर अभी अनिश्चितता बनी हुई है।

भारत के लिए यह स्थिति इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि देश की कृषि काफी हद तक मानसूनी बारिश पर निर्भर रहती है। भारत मौसम विज्ञान विभाग पहले ही जून से सितंबर के दौरान सामान्य से कम बारिश का अनुमान जता चुका है। विभाग के अनुसार इस वर्ष देश में बारिश दीर्घकालिक औसत की करीब 90 प्रतिशत रह सकती है। अल नीनो के दौरान भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर का पानी सामान्य से अधिक गर्म हो जाता है। इससे वायुमंडलीय परिसंचरण प्रभावित होता है और कई क्षेत्रों में बारिश तथा तापमान का स्वरूप बदल सकता है। भारत में कमजोर मानसून से खरीफ फसलों की बुवाई और उत्पादन प्रभावित होने के साथ जलाशयों में पानी की उपलब्धता पर भी असर पड़ सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक अल नीनो वैश्विक तापमान में भी अस्थायी बढ़ोतरी कर सकता है। 2027 में अत्यधिक गर्मी का नया रिकॉर्ड बनने की संभावना भी जताई जा रही है। ऐसे में मानसून और तापमान में बदलाव भारत के लिए कृषि, जल प्रबंधन और खाद्य सुरक्षा की चुनौती बढ़ा सकता है।

मजबूत अल नीनो से बारिश घटने की आशंका बढ़ी

कमजोर मानसून से खरीफ फसलों पर संकट गहराया

सुप्रीम कोर्ट ने तीन साल की शर्त में दी बड़ी राहत

न्यायिक सेवा परीक्षा में वकालत का अनुभव सिर्फ एक साल

यूनिक समय, नई दिल्ली। न्यायिक सेवा में प्रवेश कर न्यायिक अधिकारी बनने की तैयारी कर रहे कानून स्नातकों के लिए सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी राहत दी है। सर्वोच्च अदालत ने प्रवेश स्तरीय न्यायिक सेवा परीक्षा में शामिल होने के लिए अनिवार्य वकालत अनुभव की अवधि तीन साल से घटाकर एक साल कर दी है। शुक्रवार को मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति एजी मसीह और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने 2:1 के बहुमत से यह फैसला सुनाया।

सुप्रीम कोर्ट ने मई 2025 में दिए अपने फैसले में न्यायिक सेवा परीक्षा में बैठने के लिए कानून स्नातकों के लिए कम से कम तीन साल की सक्रिय वकालत अनिवार्य की थी। नए फैसले में अदालत ने इस शर्त में बदलाव करते हुए एक साल के अनुभव को पर्याप्त माना है। अदालत ने कहा कि आवेदन के समय ऐसे अभ्यर्थियों को एक साल की सक्रिय वकालत पूरी कर चुका माना जाएगा।

फैसले के अनुसार, अभ्यर्थियों को इस अवधि के समर्थन में अलग से वकालत प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने की आवश्यकता नहीं होगी। चयनित उम्मीदवारों को पहले प्रशिक्षु न्यायिक अधिकारी के रूप में एक साल की अवधि पूरी करनी होगी। इसके बाद उन्हें एक साल का निर्धारित न्यायिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रशिक्षण अवधि में प्रशिक्षुओं को मानदेय भी मिलेगा। यह संबंधित राज्य में प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट को मिलने वाले पारिश्रमिक का करीब आधा होगा। साथ ही न्यायिक अकादमी की ओर से उपलब्ध सुविधाएं और अन्य लाभ भी मिलेंगे।

अदालत ने एक साल की कानून क्लर्क शिप को भी अनिवार्य किया है। इसके छह महीने जिला स्तर के वरिष्ठ न्यायिक अधिकारियों और छह महीने उच्च न्यायालय के न्यायाधीश की निगरानी में पूरे होंगे। इससे व्यावहारिक न्यायिक अनुभव हासिल करने का अवसर मिलेगा।

सांसद के बेटे की कार की टक्कर से युवती की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। हैदराबाद के माधापुर इलाके में तेज रफ्तार कार की टक्कर से 26 वर्षीय युवती भारती मुखी की मौत हो गई। वह एक कपड़ों की दुकान में काम करती थी और सड़क पार करते समय हादसे का शिकार हुई। पुलिस ने कार चालक की पहचान राज्यसभा सांसद लिंगमनेनी रमेश के बेटे लिंगमनेनी संजूश के रूप में की है।

हादसे के बाद युवती की मां ने बताया कि बेटी कई वर्षों से हैदराबाद में नौकरी कर रही थी और परिवार की आर्थिक मदद करती थी। बेटी की मौत की खबर मिलने के बाद परिवार में मातम छा गया।

पुलिस के अनुसार, आरोपी को जांच के सिलसिले में नोटिस दिया गया है और थाने से जमानत दी गई। उसके

हैदराबाद में सड़क पार करते समय हुआ दर्दनाक हादसा

मां बोली, बेटी परिवार का सहारा थी

शराब और मादक पदार्थ सेवन संबंधी परीक्षण के परिणाम नकारात्मक बताए गए हैं। मामले की जांच जारी है।

सांसद ने हादसे पर दुख जताते हुए कहा कि उनका बेटा ही कार चला रहा था। उन्होंने बताया कि बेटे ने युवती को अस्पताल पहुंचाया और पुलिस को सूचना दी। साथ ही जांच पूरी होने तक जल्दबाजी में निष्कर्ष नहीं निकालने की अपील की।

नेपाल में हिंदू राष्ट्र की मांग फिर बनी सियासी मुद्दा

यूनिक समय, नई दिल्ली। नेपाल में देश को दोबारा हिंदू राष्ट्र घोषित करने की मांग ने एक बार फिर राजनीतिक बहस तेज कर दी है। नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के रुख के बाद यह मुद्दा चर्चा में आया है। देउबा गुट ने सनातन परंपरा को नेपाल की सांस्कृतिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा बताते हुए प्रस्ताव पारित किया है।

प्रस्ताव में कहा गया है कि सनातन पहचान को महत्व देने के साथ बौद्ध, किरात और प्रकृति–पूजक परंपराओं सहित सभी धार्मिक समुदायों की स्वतंत्रता और सामाजिक सद्भाव बनाए रखा जाना चाहिए। नेपाल वर्ष 2015 के संविधान के तहत धर्मनिरपेक्ष संघीय गणराज्य बना था। अब संविधान में

देउबा गुट ने सनातन पहचान को लेकर प्रस्ताव पारित किया

संशोधन की संभावनाओं के बीच हिंदू राष्ट्र की मांग को लेकर राजनीतिक गतिविधियां बढ़ रही हैं।

हिंदूवादी संगठनों ने संविधान के उस प्रावधान में बदलाव की मांग उठाई है, जिसमें नेपाल को धर्मनिरपेक्ष राष्ट्र बताया गया है। राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी भी इस मुद्दे पर संसद में खुली बहस की मांग कर रही है।

अब निगाहें प्रधानमंत्री बालेन शाह सरकार पर हैं। सरकार के सामने धार्मिक पहचान से जुड़े मुद्दे पर विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक पक्षों के बीच सहमति बनाने की चुनौती है।

चाइनीज कहने पर बच्ची ने दिया करारा जवाब

यूनिक समय, नई दिल्ली। अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर की बच्ची करगा टिंकल गोंगो का एक वीडियो इन दिनों चर्चा में है। वीडियो में टिंकल ने उत्तर–पूर्व के लोगों को उनकी शक्ल–सूरत के आधार पर चाइनीज कहने पर नाराजगी जताई। उसने साफ कहा कि वह भारतीय है और उसे चाइनीज नहीं कहा जाए।

टिंकल की मां ने बताया कि वह बेटी के आइसक्रीम लेने का वीडियो बनाकर इंटरनेट पर साझा कर रही थीं। इसी दौरान एक व्यक्ति ने टिप्पणी करते हुए टिंकल को चाइनीज बच्ची कह दिया। यह बात टिंकल को बुरी लगी। मां के समझाने पर उसने खुद वीडियो बनाने की इच्छा जताई और अपनी बात रखी।

टिंकल ने वीडियो में कहा कि उसे चाइनीज कहने से उसका मन दुखी

मां के वीडियो पर टिप्पणी से हुई थी उदास

टिंकल बोली– हम भारतीय हैं, चाइनीज न कहा जाए

होता है। उसने कहा कि वह और उसका परिवार भारतीय हैं तथा अरुणाचल प्रदेश भी भारत का हिस्सा है। बच्ची की मासूम लेकिन स्पष्ट बात लोगों को पसंद आई। वीडियो प्रसारित होने के बाद बड़ी संख्या में लोगों ने उसकी सराहना की और सम्मान के साथ पहचान रखने का संदेश दिया।

सहायक प्राध्यापक अभ्यर्थियों के मार्च में पुलिस से झड़प

यूनिक समय, नई दिल्ली। सहायक प्राध्यापक नियुक्ति की नई नियमावली के विरोध में आंदोलन कर रहे अभ्यर्थियों ने शनिवार को लोकभवन की ओर मार्च किया। गर्दनीबाग से निकले सैकड़ों अभ्यर्थियों को रोकने के लिए पुलिस ने कई स्थानों पर बैरिकेडिंग की थी। बेली रोड पर अभ्यर्थियों और पुलिस के बीच तीखी झड़प की स्थिति बन गई। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ने का प्रयास किया। हंगामे के कारण मार्ग पर काफी देर तक जाम लगा रहा।

ऑल पीएचडी धारक एवं शोधार्थी संघ के नेतृत्व में अभ्यर्थी पिछले 19 दिनों से अनिश्चितकालीन आमरण अनशन कर रहे हैं। संगठन के नेता डॉ. कुंदन कुमार ने कहा कि नई सहायक प्राध्यापक नियुक्ति नियमावली

लोकभवन मार्च रोकने पर अभ्यर्थियों ने बैरिकेडिंग तोड़ी

शोधार्थियों और बिहार के विद्यार्थियों के हित में नहीं है। उन्होंने स्थायी नियुक्ति, अधिकतम आयु सीमा 55 वर्ष रखने और शोध प्रकाशन के अंक बहाल करने की मांग उठाई। अभ्यर्थियों का आरोप है कि लंबे समय से नियुक्ति का इंतजार कर रहे शोधार्थियों के सामने नई व्यवस्था से अवसर सीमित हो जाएंगे। आंदोलनकारियों ने सरकार से वार्ता कर नियमावली में संशोधन की मांग की है। सांसद पप्पू यादव ने भी आंदोलन को समर्थन देते हुए सरकार से अभ्यर्थियों की समस्याएं सुनकर समाधान निकालने की अपील की।

जयपुर हमले पर रांका ने पुलिस जांच पर उठाए सवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। जयपुर के बगरू विधानसभा क्षेत्र में सीजेपी टीम पर हुए हमले को लेकर संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता अशुतोष रांका ने गंभीर आरोप लगाए हैं। रांका ने दावा किया कि घटना में शामिल कुछ लोग हमले से एक रात पहले विधायक कैलाश वर्मा के साथ दिखाई दिए थे। उन्होंने कहा कि इन तस्वीरों को सार्वजनिक किया गया है।

रांका ने घटना को सुनियोजित बताते हुए आरोप लगाया कि हमलावरों ने पत्थरों का इस्तेमाल किया और

उनकी मंशा गंभीर नुकसान पहुंचाने की थी। उन्होंने घटनास्थल पर पुलिस की मौजूदगी और कार्रवाई पर भी सवाल उठाए। रांका के अनुसार, संगठन की ओर से शिकायत दर्ज कराई गई है और प्राथमिकी दर्ज होने की जानकारी मिली है। रांका ने कहा कि सीजेपी ने घटना से जुड़े अपने वीडियो सार्वजनिक कर दिए हैं और दूसरे पक्ष से भी उपलब्ध प्रमाण सामने लाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि संगठन हिंसा से पीछे नहीं हटेगा, लेकिन स्कूलों की बदहाली

सीजेपी टीम पर हमले को बताया सुनियोजित और गंभीर

विधायक से हमलावरों की कथित नजदीकी पर उठे सवाल

के मुद्दे पर अपना अभियान जारी रखेगा। उन्होंने राजस्थान पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। रांका के आरोपों पर संबंधित पक्ष का पक्ष सामने नहीं आया है।

आरक्षण विरोधी प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई से गरमाया माहौल

यूनिक समय, नई दिल्ली। जाति आधारित आरक्षण के विरोध में शुक्रवार को जंतर–मंतर पर जुटे प्रदर्शनकारियों को देर शाम पुलिस ने वहां से हटा दिया। शनिवार तड़के कुछ प्रदर्शनकारी राजघाट पहुंचे, जहां पुलिस ने कई लोगों को हिरासत में ले लिया। कार्रवाई के बाद प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर शांतिपूर्ण आंदोलन में बाधा डालने का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारियों का कहना है कि वे आरक्षण व्यवस्था में बदलाव की मांग को लेकर शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे थे। उनका आरोप है कि जंतर–मंतर से हटाने के दौरान सख्ती की गई और कुछ लोगों को हिरासत में लेने की चेतावनी दी गई। प्रदर्शन से जुड़े लोगों ने सवाल उठाया कि जब आंदोलन में हिंसा नहीं हो रही थी तो उन्हें हटाने की जरूरत क्यों पड़ी। प्रदर्शनकारियों की प्रमुख मांग है कि सरकारी सहायता और आरक्षण की पात्रता तय करने में जाति के बजाय आर्थिक स्थिति को भी प्रमुख आधार बनाया जाए।

इसके अलावा मौजूदा आरक्षण व्यवस्था की समीक्षा और क्रीमी लेयर से जुड़े प्रावधानों में बदलाव की मांग भी उठाई गई। पुलिस के मुताबिक जंतर–मंतर पर सभा या जुलूस की अनुमति नहीं थी। पुलिस ने बताया कि रामलीला मैदान में अधिकतम 500 लोगों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए अनुमति दी गई थी।

दो साल बाद सूखा ही निकला जा रहा है सावन का महीना

अगस्त की बारिश में मथुरा ने बदला दस साल का आंकड़ा

2024 रहा सबसे ज्यादा बारिश वाला साल, 22 में कम बरसा पानी

यूनिक समय, मथुरा। मौसम के बदलाव से इस साल सावन का महीना अब सूखा ही निकला है, जबकि जून और जुलाई में भी वर्षा कम दर्ज की गई है। अगस्त महीने में मथुरा में बारिश का मिजाज पिछले दस वर्षों में लगातार बदलता रहा है। मौसम विभाग के उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2016 से 2025 के बीच अगस्त में औसतन करीब 229.5 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इस अवधि में वर्ष 2024 सबसे अधिक बारिश वाला साल रहा, जब अगस्त में 365.58 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई। इसके विपरीत वर्ष 2022 में अगस्त की बारिश घटकर 123.60 मिलीमीटर रह गई। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, 2016 में अगस्त में 297.45 मिलीमीटर, 2017 में 262.75 मिलीमीटर, 2018 में 276.35 मिलीमीटर और 2019 में 220.44 मिलीमीटर बारिश हुई। वर्ष 2020 में 195.52 मिलीमीटर और 2021 में 202.14 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। 2022 में बारिश 123.60 मिलीमीटर तक सिमट गई। 2023 में 161.65 मिलीमीटर और 2024 में 365.58 मिलीमीटर बारिश हुई। वर्ष 2025 में अगस्त की बारिश 186.20 मिलीमीटर दर्ज की गई। इस लिहाज से 2024 की बारिश दस साल के औसत से करीब 136 मिलीमीटर अधिक रही। वहीं 2022 का आंकड़ा औसत से करीब 106 मिलीमीटर कम रहा। 2016–2025 आंकड़े मौसम विभाग की जानकारी पर आधारित हैं।

शनिवार सुबह आसमान पर छाए बादल।

जून और जुलाई में भी कमजोर रही वर्षा- इस वर्ष जून–जुलाई में मथुरा में मानसूनी बारिश कमजोर रही। 31 जुलाई तक जिले में 147.5 मिलीमीटर बारिश दर्ज हुई थी, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि में 301 मिलीमीटर बारिश हुई थी। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, अल नीनो सक्रिय होने से बारिश में बदलाव आया है। शनिवार को भी मौसम विभाग का चमक- गरज के साथ वर्षा का पूर्वानुमान था, लेकिन बूंदाबांदी ही हो सकी। अब अगले छह दिन आसमान पर बादल छाए रहने का पूर्वानुमान है। इस अवधि के दौरान अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस रह सकता है।

नहीं आया बुजुर्ग महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा का आदेश

यूनिक समय, मथुरा। प्रदेश सरकार की ओर से 60 वर्ष और इससे अधिक आयु की बुजुर्ग महिलाओं को रोडवेज बसों में निशुल्क यात्रा की घोषणा किए जाने के बाद अब उन्हें योजना लागू होने का इंतजार है। घोषणा के बावजूद अभी तक परिवहन निगम के स्थानीय अधिकारियों को शासन की ओर से लिखित आदेश प्राप्त नहीं हुआ है। इसके चलते बुजुर्ग महिलाओं को मुफ्त यात्रा की सुविधा का लाभ नहीं मिल पा रहा है। प्रदेश सरकार ने अगस्त के पहले सप्ताह में अनुपूरक बजट के दौरान 60 वर्ष या इससे अधिक आयु की महिलाओं को रोडवेज बसों में निशुल्क यात्रा कराने की घोषणा की थी। घोषणा के बाद से ही बस अड्डों पर आने वाली बुजुर्ग महिलाएं परिचालकों और रोडवेज कर्मचारियों से योजना शुरू होने की जानकारी ले रही हैं। हालांकि आदेश नहीं मिलने के कारण अधिकारी भी उन्हें निश्चित तारीख नहीं बता पा रहे हैं। योजना लागू होने के बाद बुजुर्ग महिलाओं को धार्मिक यात्राओं के साथ सामाजिक और पारिवारिक कार्यक्रमों में आने–जाने में आर्थिक राहत मिलने की उम्मीद है। स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों के लिए दूसरे शहरों में जाने वाली महिलाओं को भी इसका लाभ मिलेगा। सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक कमल किशोर आर्य ने बताया कि शासन से लिखित आदेश मिलने के बाद ही निशुल्क यात्रा की सुविधा शुरू की जा सकेगी। आदेश में पात्रता, पहचान संबंधी दस्तावेज, यात्रा की अवधि और अन्य नियम स्पष्ट किए जाएंगे। इसके बाद परिचालकों को भी पूरी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि पात्र महिलाओं को यात्रा के दौरान किसी प्रकार की परेशानी न हो।

विद्यालयों में नई प्रबंध समितियां होंगी गठित, बढ़ेगी निगरानी

यूनिक समय, मथुरा। बेसिक, माध्यमिक और अन्य गैर–अनुदानित विद्यालयों को छोड़कर सभी विद्यालयों में नई विद्यालय प्रबंध समितियों का गठन किया जाएगा। समितियों का गठन राष्ट्रीय शिक्षा नीति, शिक्षा का अधिकार अधिनियम और उत्तर प्रदेश शिक्षा का अधिकार नियमावली के प्रावधानों के अनुसार होगा। इसका उद्देश्य विद्यालयों के संचालन में स्थानीय समुदाय की भागीदारी बढ़ाने के साथ शैक्षिक व्यवस्था को मजबूत करना है।

विद्यालय प्रबंध समिति विद्यालय, अभिभावकों और स्थानीय समाज के बीच महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करेगी। समिति विद्यालय विकास योजना तैयार कराने, विद्यार्थियों का नामांकन बढ़ाने, नियमित उपस्थिति सुनिश्चित करने और बच्चों के सीखने के स्तर की निगरानी में भूमिका निभाएगी। इसके साथ ही विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं के विकास, वित्तीय पारदर्शिता और बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा पर भी नजर रखी जाएगी।

जिला विद्यालय निरीक्षक राधवेंद्र सिंह ने बताया कि समिति के गठन के लिए सदस्यों की संख्या, अभिभावकों के प्रतिनिधित्व, महिलाओं की भागीदारी और कार्यकाल संबंधी प्रावधान तय किए गए हैं। बैठकों के संचालन और चुनाव की प्रक्रिया भी निर्धारित नियमों के अनुसार होगी। उन्होंने बताया कि समितियों के गठन की पूरी प्रक्रिया तय समय सीमा में पूरी कराई जाएगी, जिससे विद्यालयों के विकास कार्यों और शैक्षिक गतिविधियों की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित हो सके।

प्रदेशीय खेलकूद प्रतियोगिताओं की तैयारी शुरू, शिक्षकों का ब्योरा मांगा

यूनिक समय, मथुरा। वर्ष 2026–27 में होने वाली प्रदेशीय विद्यालयी खेलकूद प्रतियोगिताओं की तैयारियां शुरू हो गई हैं। माध्यमिक शिक्षा विभाग ने इसकी तैयारी के लिए जिले के राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में तैनात सहायक अध्यापकों की जानकारी मांगी है। जिला विद्यालय निरीक्षक राघवेंद्र सिंह ने सभी संबंधित विद्यालयों को निर्धारित प्रारूप में सूचना उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

विभाग की ओर से जारी निर्देश में कहा गया है कि राजकीय माध्यमिक विद्यालयों में कार्यरत सहायक अध्यापक (पुरुष संवर्ग) का पूरा ब्योरा तैयार किया जाए। यह जानकारी निर्धारित प्रारूप में देनी होगी। विद्यालयों को इसकी हार्ड कॉपी जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में जमा करनी होगी, जबकि सॉफ्ट कॉपी ई–मेल के माध्यम से भेजनी होगी। खेल प्रतियोगिताओं की तैयारी से पहले विद्यालयों में उपलब्ध शिक्षकों का ब्योरा जुटाया जा रहा है। इससे प्रतियोगिताओं के दौरान शिक्षकों की जिम्मेदारी तय करने और व्यवस्थाएं बनाने में आसानी होगी। प्रतियोगिताओं की तैयारी पहले से पूरी कर ली जाए, ताकि खिलाड़ियों को किसी तरह की परेशानी न हो। मथुरा जिले में माध्यमिक विद्यालय 36 राजकीय, 93 अशासकीय और 411 निजी इंटर कॉलेज हैं। इन विद्यालयों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने का मौका मिलता है। प्रदेश स्तर की प्रतियोगिताओं में जिले के खिलाड़ी भी अलग–अलग खेलों में प्रतिभाग करते हैं। शिक्षा विभाग अब विद्यालयों से मिलने वाली जानकारी को एकत्र कर आगे की तैयारी करेगा। विद्यालयों को निर्देश दिए गए हैं कि मांगी गई सूचना सही और पूरी भरकर उपलब्ध कराई जाए।

संस्कृत सप्ताह में होंगे विविध जागरूकता कार्यक्रम

संस्कृत भारती की बैठक में मौजूद पदाधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। संस्कृत भारती ब्रजप्रांत की ओर से श्रावण पूर्णिमा, 28 अगस्त को विश्व संस्कृत दिवस के उपलक्ष्य में संस्कृत सप्ताह मनाया जाएगा। इसका उद्देश्य घर–घर संस्कृत भाषा का प्रचार–प्रसार कर लोगों को संस्कृत से जोड़ना है। सप्ताह के दौरान विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

25 अगस्त को वृंदावन के अटल्ला चौराहा स्थित श्रीराम मंदिर से दोपहर तीन बजे संस्कृत जागरूकता शोभायात्रा निकलेगी, जो सोहम आश्रम में हवन–पूजन के साथ संपन्न होगी। 26 अगस्त को दीर्घ विष्णु मंदिर, घीया मंडी से संस्कृत स्टीकर, बैनर, पत्रक और पुस्तिकाओं का वितरण कर जनजागरूकता अभियान चलाया जाएगा। 27 अगस्त को सरस्वती शिशु मंदिर दीनदयाल नगर में विद्यार्थियों की विभिन्न प्रतियोगिताएं होंगी। इनमें गीता, सुभाषित, श्लोक वाचन, लेखन, संस्कृत भाषण और निबंध लेखन शामिल हैं। 28 अगस्त को विश्व संस्कृत दिवस पर संस्कृत में शुभकामना संदेश दिए जाएंगे। 29 को घर–घर तुलसी अभियान और पौधरोपण होगा। 30 को विद्वत गोष्ठी, सम्मान समारोह और प्रतिभागियों का पुरस्कार वितरण होगा।

डा धर्मेन्द्र कुमार अग्रवाल, गंगाधर अरोड़ा, गणेश शंकर पांडेय, ज्योतिषाचार्य पंडित कामेश्वर नाथ चतुर्वेदी, आचार्य ब्रजेन्द्र नागर, प्रदीप श्रीवास्तव, हरस्वरुप यादव, रामदास चतुर्वेदी शास्त्री, योगेश उपाध्याय आवा, संदीप चौधरी, अखिलेश गौतम, मुरलीधर चतुर्वेदी आदि ने संस्कृत सप्ताह को सफलता पूर्वक कराने की अपील की है।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की तैयारियों पर प्रशासन ने कसी कमर

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की तैयारियों को लेकर हुई बैठक में बोलतीं मुख्य कार्यपालक अधिकारी लक्ष्मी एन, सामने बैठे हैं मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी, उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र।

तीन दिन ब्रज में होंगे भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजन

सुरक्षा यातायात सफाई पर विभागों को दिए कड़े निर्देश

तीन जोन, 17 सेक्टर में बंटेगा पूरा मथुरा

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की तैयारियों को लेकर शनिवार को उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के सभागार में समीक्षा बैठक हुई। गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी की अध्यक्षता में हुई बैठक में तैयारियों की विस्तार से समीक्षा की गई।

बताया गया कि 5253वें श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के तहत दो से चार सितंबर तक पांच मुख्य और 21 छोटे मंचों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। चार सितंबर को विश्राम घाट पर दीप प्रज्वलन किया जाएगा। प्रमुख चौराहों, घाटों और मंदिरों की आकर्षक सजावट के साथ शहर में सेल्फी प्वाइंट भी बनाए जाएंगे। तीन सितंबर को श्रीकृष्ण जन्मस्थान से शोभायात्रा निकलेगी।

नगर निगम श्रद्धालुओं के लिए 76 अस्थायी शौचालय, 186 पेयजल टैंकर और 15 पार्किंग की व्यवस्था करेगा। करीब 1100 सफाईकर्मी तैनात होंगे। प्रमुख मार्गों की मरम्मत कर उन्हें गड्ढामुक्त करने के निर्देश दिए गए हैं। भंडारों में प्लास्टिक के इस्तेमाल पर रोक रहेगी। सुरक्षा व्यवस्था के तहत जनपद को तीन जोन और 17 सेक्टर में बांटा गया है। 95 बैरियर, 15 वॉच टावर और 125 सीसीटीवी कैमरों के साथ ड्रोन से निगरानी होगी। स्वास्थ्य विभाग को एंबुलेंस और शिविरों की व्यवस्था, अग्निशमन विभाग को अलर्ट रहने के निर्देश दिए गए। मंत्री ने इंटरनेट मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश भी दिए।

बैठक में परिषद उपाध्यक्ष शैलजा कांत मिश्र, डीएम चंद्र प्रकाश सिंह, एसएसपी श्लोक कुमार, मुख्य कार्यपालक अधिकारी लक्ष्मी एन, नगर आयुक्त ओजस्वी राज, एडीएम वित्त-राजस्व डॉ. पंकज कुमार वर्मा, एडीएम प्रशासन अमरेश कुमार और लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता गुलवीर सिंह सहित अधिकारी मौजूद रहे।

ट्रैप कार्रवाई के विरोध में लेखपालों ने तहसीलों पर दिया धरना

यूनिक समय, मथुरा। लेखपालों के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण संगठन (एसीओ) की कथित अनुचित ट्रैप कार्रवाई के विरोध में उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ ने शनिवार को जनपद की सभी तहसीलों में धरना–प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष शैलेश अग्रवाल के नेतृत्व में लेखपालों ने प्रदर्शन के बाद एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की समीक्षा की मांग की। संघ ने ज्ञापन में कहा कि फील्ड में कार्यरत लेखपाल कठिन परिस्थितियों में राजस्व कार्यों के साथ शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन करते हैं। ऐसे में किसी निर्दोष कर्मचारी के खिलाफ गलत या सुनियोजित ट्रैप कार्रवाई से उसके सेवाकाल, सामाजिक प्रतिष्ठा और पारिवारिक जीवन पर गंभीर असर पड़ सकता है। संघ भ्रष्टाचार के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई का समर्थन करता है, लेकिन पर्याप्त साक्ष्यों के बिना कार्रवाई का विरोध करेगा। धरने के बाद तहसील अध्यक्ष सदर कपिल उपाध्याय, गोवर्धन नरेश शर्मा, छाता टेकचंद, मांट चांद सैयद और महावन पवन कुमार ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। खंड मंत्री भूदेव प्रसाद और जिला मंत्री पवन कुमार सहित अन्य पदाधिकारियों ने भी निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की।